कोटद्वार, सोमवार
19 अगस्त 2024
वर्षः 46
अंकः 113 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक: स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

सीएम 20 अगस्त को आएंगे जनपद रुद्रप्रयाग

रुद्रप्रयाग। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी 20 अगस्त को जनपद भ्रमण पर रहेंगे। एक दिवसीय भ्रमण में सीएम अगस्त्यमुनि और ऊखीमठ में रक्षाबंधन कार्यक्रम में भाग लेंगे। जबकि इसके बाद केदारघाटी और सोनप्रयाग का हवाई निरीक्षण करेंगे। मुख्यमंत्री मंगलवार 20 अगस्त को प्रातः 10:30 बजे देहरादून से हैलीकॉप्टर के माध्यम से प्रस्थान कर 11 बजे अगस्त्यमुनि हैलीपैड़ पहुंचेंगे। अगस्त्यमुनि स्थित क्रीड़ा भवन में रक्षाबंधन एवं जन संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद अपराह्न 1 बजे से 1:30 बजे तक केदारघाटी व सोनप्रयाग का हवाई निरीक्षण करेंगे। जबकि दोपहर 2:40 बजे से 3:40 बजे तक मुख्यमंत्री रिजेंटा रिसोर्ट ऊखीमठ में रक्षाबंधन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री का जन संवाद कार्यक्रम रखा गया है। दोपहर 3:50 बजे मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर के माध्यम से गैरसैंण चमोली के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री के जनपद भ्रमण कार्यक्रम को देखते हुए जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन में जनपद स्तरीय अधिकारियों को मुख्यमंत्री के आगमन से विदाई तक सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए नोडल अधिकारी नामित किया गया है। अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने सभी अधिकारियों को उनसे संबंधित दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करने की अपील की है।

केदारनाथ में अन्नकूट मेले को लेकर भक्तों में उत्साह

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में रक्षाबंधन से एक दिन पूर्व मध्य रात्रि से शुरू होने वाला अन्नकूट मेला रविवार रात्रि दो बजे संपन होगा। इसको लेकर केदारनाथ में उत्साह का माहौल है। इस मेले के दौरान केदारनाथ में स्थित स्वयंभू लिंग पर लगाए गए नए अनाज का भोग और श्रृंगार का भक्तजन दर्शन करेंगे। हर साल रक्षाबंधन से एक दिन पहले केदारनाथ मंदिर में अन्नकूट मेला (भतूज) धूमधाम से मनाए जाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है। इस बार रविवार रात्रि को धाम में अन्नकूट मेला आयोजित हो रहा है। मेले में सर्वप्रथम केदारनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी भगवान शिव के स्वयंभू लिंग की विशेष पूजा–अर्चना समस्त प्रक्रिया संपन कराई जाएगी जबकि इसके बाद नए अनाज चावल लगाकर स्वयं भू लिंग का श्रृंगार होगा।

रूस में 7.0 तीव्रता के भूकंप के बाद फटा ज्वालामुखी, सुनामी का खतरा

मॉस्को , रूस के पूर्वी तट पर आए 7.0 तीव्रता वाले भूकंप के बाद कामचटका क्षेत्र में स्थित शिवलुच ज्वालामुखी फट गया है। स्थानीय मीडिया ने रविवार को इसकी जानकारी दी। भूकंप की तीव्रता तेज होने के कारण ज्वालामुखी फटा है और इससे राख और लावा निकल रहा है।

रिपोर्ट में वैज्ञानिकों के हवाले से कहा गया है, शिवलुच ज्वालामुखी में विस्फोट शुरू हो गया है, समुद्र तल से 8 किलोमीटर ऊपर तक ज्वालामुखी से निकली राख दिखाई दे रही है।

दरअसल, बीती रात (स्थानीय समयानुसार) कामचटका के पूर्वी तट से दूर एक समुद्री क्षेत्र में 7.0 तीव्रता का भूकंप आया। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप 50 किलोमीटर की गहराई पर आया। अमेरिकी राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केंद्र ने शुरुआत में सुनामी का खतरा जारी किया था, लेकिन बाद में कहा कि यह खतरा टल गया है। हालांकि, रूसी आपात मंत्रालय ने सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की है।

भूकंप के बाद प्रशांत महासागर में कामचटका के पास 3.9 से 5.0 की तीव्रता वाले कई झटके महसूस किए गए। मंत्रालय के हवाले से टीएएसएस ने बताया कि इनमें से ज्यादातर झटके जमीन पर महसूस नहीं किए गए।

एक झटके में ही उजड़ा हंसता–खेलता परिवार

कर्नाटक ,कर्नाटक के गडग जिले में रविवार सुबह एक भीषण सडक़ हादसा हो गया। यहां एक परिवहन बस और कार के बीच टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। इनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। चारों एक ही परिवार के सदस्य थे। यह घटना गडग जिले के नरगुंडा तालुक में कोन्नूर गांव के बाहरी इलाके में हुई है। मरने वालों की पहचान हावेरी निवासी रुद्रप्पा अंगदी (55), पत्नी राजेश्वरी (45), बेटी ऐश्वर्या (16), बेटा विजया (12) के रुप में हुई है। हादसे के बाद कार के परखच्चे उड़ गए। पूरी तरह से पिचक गई थी। शवों को बड़ी मशक्कत से निकालना पड़ा। भिड़ंत आमने सामने की बताई जा रही है।

आंदोलनकारियों और आश्रितों को नौकरी में 10% आरक्षण विधेयक को मंजूरी

उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों को नौकरी में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण विधेयक को राजभवन की मंजूरी मिल गई है। इसी साल फरवरी में धामी सरकार ने प्रवर समिति की सिफारिशों को मानते हुए विधेयक को कुछ संशोधन के बाद राजभवन भेजा था। विधेयक को मंजूरी मिलने से 11 हजार से अधिक राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों को इसका लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसके लिए राज्यपाल का आभार जताया है। उन्होंने कहा, सरकार राज्य आंदोलनकारियों के संघर्ष और बलिदान को कभी भूल नहीं सकती। उन्हें सुविधाएं देना शीर्ष प्राथमिकता में है। चिन्हित राज्य आंदोलनकारियों या उसके एक आश्रित सदस्य को सरकारी सेवा में क्षैतिज आरक्षण का लाभ मिले इसके लिए सरकार ने 8 सितंबर 2023 को सदन में विधेयक पेश किया था, लेकिन कुछ सदस्यों ने विधेयक के प्रावधानों में कुछ संशोधन के लिए इसे प्रवर समिति को भेजने की मांग की थी। सदस्यों की मांग पर स्पीकर ने विधेयक को प्रवर समिति को भेज दिया था। 6 फरवरी 2024 को विधेयक प्रवर समिति की सिफारिशों को शामिल करते हुए पारित किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हाल ही में इस मसले पर राजभवन में बात की थी। जिसके बाद अब विधेयक को मंजूरी मिली है। विधेयक को मंजूरी मिलने से राज्य आंदोलनकारियों के चेहरे खिल गए हैं। उनका कहना है कि पिछले कई वर्षों से वे इस लाभ से वंचित थे। हाईकोर्ट ने मार्च 2018 में राज्य आंदोलनकारियों के लिए सरकारी सेवा में क्षैतिज आरक्षण को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। राज्य सरकार राज्य आंदोलनकारियों व आश्रितों को सरकारी नौकरी में आरक्षण देने लिए प्रदेश सरकार 7 फरवरी 2024 को विधानसभा विधेयक पारित किया गया था। राजभवन ने भी विधेयक को मंजूरी दे दी है। हमने राज्य आंदोलनकारियों को आश्वस्त किया था कि सरकार 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का लाभ देगी। राज्य आंदोलनकारियों के त्याग व बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। सरकार आंदोलनकारियों व उनके परिवार के कल्याण के प्रति समर्पित है।

भद्रा के चलते रक्षा सूत्र धारण 1:30 बजे के बाद करें

श्रीनगर गढ़वाल)। इस बार रक्षाबंधन में कई अदभुत संयोग बन रहे हैं। रक्षाबंधन भाई के प्रति बहन के असीम स्नेह और बहन के प्रति भाई के कर्तव्य को उजागर करने वाला त्योहार है। यह त्योहार भाई बहन के प्रेम का प्रतीक है। श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को मनाये जाने वाले इस त्यौहार में बहन भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती है और भाई बहन को आजीवन रक्षा का वचन देता है। इस वर्ष रक्षाबंधन पर कई तरह के अदभुत व प्रभावकारी संयोग बन रहे हैं। पूर्णिमा तिथि 3 बजकर 44 मिनट से शुरू होकर रात्रि 11 बजकर 55 मिनट पर समाप्त होगी। बताया कि 19 अगस्त को रक्षाबंधन मनाया जायेगा। इस दिन भद्रा भी है। भद्रा सुबह 5 बजकर 53 मिनट से शुरू होकर 1 बजकर 32 मिनट तक है। इस कारण रक्षा सूत्र धारण करने में भाईयों को प्रतिक्षा करनी पडेगी। इस पर्व पर कई तरह के शुभ योग भी बन रहे हैं। स्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग, धनिष्ठा नक्षत्र समेत कई शुभ प्रभावकारी योगों का निर्माण हो रहा है। बताया कि रक्षाबंधन का सही समय 1 बजकर 35 मिनट से लेकर 4 बजकर 20 मिनट तक राखी बांधने का शुभ मूहुर्त है।

कोलकाता रेप–मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान

20 अगस्त को चंद्रचूड़ की बेंच करेगी सुनवाई

नई दिल्ली ,कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। 20 अगस्त की वाद सूची के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ मंगलवार को इस मामले की सुनवाई करेगी।

इससे पहले, कलकत्ता हाई कोर्ट ने मामले की जांच कोलकाता पुलिस से लेकर सीबीआई को सौंप दी थी। सरकारी अस्पताल के सेमिनार हॉल में एक जूनियर डॉक्टर के साथ हुई बलात्कार और हत्या की घटना ने व्यापक विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया है।

सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप बढ़ते जन दबाव और राज्य प्राधिकारियों द्वारा मामले के गलत तरीके से निपटने के आरोपों के मद्देनजर हुआ है। सीबीआई द्वारा पहले से ही जांच के तहत इस मामले ने भारत में चिकित्सा पेशेवरों, विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और पीड़ित महिला को न्याय दिलवाने की मांग की जा रही है।

पीड़िता आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के पद पर तैनात थी। उसे अस्पताल के सेमिनार हॉल में बेरहमी से हमला किया गया और बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई। पीड़ित के परिवार और प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि यह घटना एक गैंगरेप थी और वे दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए गहन जांच की मांग कर रहे हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि पीड़िता की मौत से पहले उसका यौन उत्पीडऩ किया गया था।

डाक्टर दुष्कर्म व मर्डर केसः ममता बनर्जी पर भडक़ी निर्भया की मां

● बोली– स्थिति संभालने में रहीं नाकाम, इस्तीफा देना चाहिए

नई दिल्ली , कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के विरोध में देशभर में आंदोलन जारी है। इस बीच 2012 के दिल्ली सामूहिक दुष्कर्म मामले की पीड़िता निर्भया की मां ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की है। निर्भया की मां ने कहा सीएम ममता बनर्जी डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के खिलाफ हो रहे विरोध–प्रदर्शन के बाद स्थिति को संभालने में नाकाम साबित हुई हैं। निर्भया की मां आशा देवी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर विरोध–प्रदर्शन करके लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। बता दें कि सीएम बनर्जी ने कोलकाता में एक रैली की थी जिसमें दुष्कर्म मामले के दोषियों को मौत की सज़ा देने की मांग की गई थी।

अधिकार का इस्तेमाल नहीं कर रहीं सीएम बनर्जी

आशा देवी ने कहा, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अपने अधिकार का इस्तेमाल करने के बजाय, ममता बनर्जी जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा, वह खुद एक महिला हैं। उन्हें राज्य के मुखिया के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए थी। उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि वह स्थिति को संभालने में नाकाम रही हैं।

देश में क्रूरताएं होती रहेंगी

आशा देवी ने आगे कहा कि जब तक केंद्र और राज्य सरकारें दुष्कर्मियों के लिए कोर्ट से जल्द सजा दिलाने के प्रति गंभीर नहीं होंगी, तब तक देशभर में हर दिन ऐसी क्रूरताएं होती रहेंगी।

दिल्ली एम्स के न्यूरो सर्जन डॉक्टर ने की खुदकुशी

नई दिल्ली , दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के न्यूरो सर्जन डॉक्टर राज घोनिया (34) ने रविवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, डॉक्टर ने ड्रग के ओवरडोज से अपनी जान दी। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सूत्रों के मुताबिक, डॉक्टर राज घोनिया का अपनी पत्नी से विवाद चल रहा था। रक्षाबंधन के अवसर पर पत्नी अपने मायके गई थीं। इसके बाद डॉक्टर ने अपने गौतम नगर स्थित घर में ड्रग ओवरडोज का सेवन कर आत्महत्या कर ली। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

डॉक्टर की पत्नी, जो सर गंगाराम अस्पताल के माइक्रोबायोलॉजिकल विभाग में कार्यरत हैं, ने जब राज घोनिया का फोन नहीं उठाया तो डॉक्टर आकांक्षा को सूचित किया। डॉक्टर आकांक्षा ने राज घोनिया के फ्लैट पर जाकर देखा कि फ्लैट अंदर से लॉक था। उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी, जिसने फ्लैट का दरवाजा तोडक़र अंदर प्रवेश किया। पुलिस ने देखा कि डॉक्टर अचेत अवस्था में बिस्तर पर पड़े थे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया 26 योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी, चम्पावत में रक्षाबन्धन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए 3916.85 लाख रूपए की 26 योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। जिसमें 2510.95 लाख की 13 योजनाओं का लोकार्पण एवं 1465.90 लाख की 13 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने मुख्यमंत्री की कलाई में रक्षा सूत्र बांधा तथा उनके दीर्घायु की कामना की।

इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कई घोषणाएं कि जिसमें बेलखेत क्षेत्र में बाढ़ सुरक्षा का कार्य किए जाने, राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी की सुरक्षा हेतु बाढ़ सुरक्षा के लिए कार्य किए जाने, बेलखेत में झूला पुल का निर्माण किया जाने, चम्पावत में निर्माणाधीन स्टेडियम का नाम स्व० कैलाश गहतोड़ी के नाम पर रखें जाने एवं भारतीय सेना के शहीद कमांडो नवीन सिंह बिष्ट के नाम से ग्राम पंचायत दुधौली के खरकोडी मार्ग को किए जाने की घोषणा शामिल है। मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत महिला लाभार्थियों को चेक वितरण किए एवं जिला खनन न्यास निधि से पशुपालन विभाग को उपलब्ध कराई गई एक एंबुलेंस तथा पुलिस विभाग को आपदा प्रबंधन अंतर्गत उपलब्ध कराई गई तीन मोटरसाइकिलों को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। मुख्यमंत्री ने जनपद में बेहतर कार्य कर रही महिलाओं को सम्मानित भी किया। उन्होंने जनपद की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा हस्त निर्मित पिरूल, ऐपण, सूत व अन्य स्थानीय उत्पादों से बनाई गई राखियों व अन्य निर्मित उत्पादों की भी सराहना की।

मुख्यमंत्री ने सभी महिलाओं को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चंपावत उनका घर है एवं यहां का हर कोई उनका परिजन है। उन्होंने कहा वो हर स्थिति में अपने परिजनों एवं प्रदेशवासियों के साथ रहेंगे। माताओं एवं बहनों से मिले आशीर्वाद से वो स्वयं को ऊर्जावान एवं गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा रक्षाबंधन त्यौहार भाई बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है, साथ ही रक्षाबंधन महिलाओं के सम्मान के साथ–साथ पौराणिक एवं सांस्कृतिक महत्व का पर्व भी है।

यह पर्व हमें अपने कर्तव्य, वचनों के प्रति भी बोध करवाता है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के उत्थान पर राज्य सरकार निरंतर कार्य चल रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण पर पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। राज्य में डेढ़ लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाए जाने पर कार्य गतिमान है। विभिन्न जनकल्याणकारी एवं महिला सशक्तिकरण आधारित योजनाओं से हमारा प्रयास महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

दिल्ली में चंपई सोरेन ने भाजपा में शामिल होने पर तोड़ी चुप्पी

● एक्स हैंडल से हटाया पार्टी का नाम

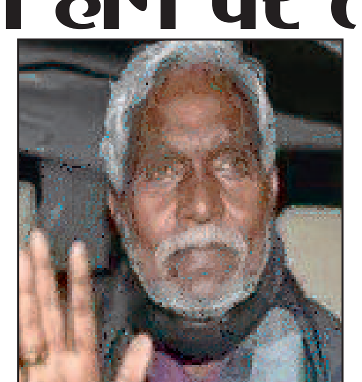

नई दिल्ली , झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और हेमंत सोरेन सरकार में मंत्री चंपई सोरेन के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की चर्चा तेज है। कयास लगाए जा रहे हैं कि वह जेएमएम के 6 विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हो सकते हैं। इन्हीं चर्चाओं के बीच चंपई सोरेन रविवार को राजधानी दिल्ली पहुंचे।

पूर्व सीएम चंपई सोरेन से पत्रकारों ने जब भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने से जुड़ा सवाल किया तो उन्होंने बताया, मैं अपने निजी काम के लिए दिल्ली आया हूं। मेरे बच्चे यहां रहते हैं, उनसे मिलने आया हूं। इसलिए दिल्ली आना–जाना लगा रहता है। इसी वजह से आज भी दिल्ली आया हूं।भाजपा में शामिल होने के सवाल पर चंपई सोरेन ने मीडिया के सामने एक बार फिर दोहराया, अभी मैं जहां पर हूं, वहीं हूं। कोलकाता में भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी से मुलाकात के सवाल पर चंपई सोरेन ने कहा, मेरी कोलकाता में किसी से मुलाकात नहीं हुई है। मैं निजी काम से दिल्ली आया हूं। बाद में आप लोगों को बताउंगा।दूसरी ओर चंपई सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स अपनी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) का नाम हटा दिया है। वहीं, उनके पैतृक गांव स्थित घर से भी पार्टी का झंडा हटाया गया है। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और जेएमएम नेता चंपई सोरेन के भाजपा में शामिल होने की अटकलों पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि झारखंड सरकार को तोडऩे की कोशिश की जा रही है। संजय राउत ने सवालिया लहजे में पूछा, झारखंड से जो खबरें आ रही है, वहां क्या हो रहा है? हेमंत सोरेन को तकलीफ में लाने के लिए एक बार फिर से वहां पर कोशिश की जा रही है। उनकी एक मजबूत सरकार है, लेकिन, उसमें से कुछ लोगों को तोडऩे की कोशिश की जा रही है। अगर चुनाव घोषित कर देते तो मॉडल कोर्ड ऑफ कंडक्ट लागू हो जाता।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद चंपई सोरेन 2 फरवरी 2024 से 3 जुलाई 2024 तक झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। हालांकि, हेमंत सोरेन ने जमानत पर जेल से बाहर निकलने के बाद फिर से सीएम की कुर्सी संभाली थी।

पेड़ से बंधे मिले युवक–युवती के अधजले शव, इलाके में फैली दहशत

छतरपुर ,मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के लवकुश नगर में रविवार को पेड़ से बंधे युवक और युवती के अधजले शव बरामद किए गए। सूचना मिलने के बाद लवकुश नगर एसडीपीओ समेत थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। दोनों मृतकों की पहचान भी हो गई है।

आशंका जताई जा रही है कि किसी ने युवक–युवती के हाथ जंजीरों से बांधकर उन्हें पेड़ से बांधा और जला दिया। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर मामले को जल्द सुलझाने में लगी है।

एसडीपीओ नवीन दुबे ने बताया कि मृतकों की पहचान हो गई है। आगे की जांच के लिए अन्य टीमें बुलाई जा रही हैं। मृतक युवती की उम्र करीब 29–30 साल होगी। युवती शनिवार से लापता थी। परिजनों ने बताया कि रविवार सुबह स्थानीय लोगों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने विभिन्न बिंदुओं पर गहनता से जांच शुरू कर दी है।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में धारा 163 लागू

अगले सात दिन तक प्रदर्शन और सभाओं पर रोक

कोलकाता ,कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में बलात्कार और हत्या की घटना के बाद देशभर में डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन जारी है। इस बीच कोलकाता पुलिस ने आर.जी. कर अस्पताल के आसपास धारा 163 लागू कर दी है।

कोलकाता पुलिस ने एक बयान में कहा, 18 अगस्त से अगले 7 दिनों के लिए आर.जी. कर अस्पताल के आसपास भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के तहत धारा 163 लागू की है। इस अवधि के दौरान वहां कोई सभा, धरना या रैली की अनुमति नहीं होगी। इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों को सलाह दी थी कि वे महिला डॉक्टरों की रात की ड्यूटी लगाने से परहेज करें। मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अलपन बंदोपाध्याय ने महिला डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रातिरेर साथी नामक पहल की घोषणा की। उन्होंने कहा, जहां तक संभव हो महिला डॉक्टरों को रात की ड्यूटी देने से परहेज करने के हरसंभव प्रयास किए जाएं। सभी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में महिलाओं के प्रति अच्छा व्यवहार रखने वाले सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाएगी।

ज्ञात हो कि बीते 9 अगस्त को कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के परिसर में एक ट्रेनी महिला डॉक्टर का शव रहस्यमयी परिस्थितियों में मिला था। वह पोस्ट ग्रेजुएट के दूसरे वर्ष की छात्रा थी और चेस्ट मेडिसिन विभाग में ड्यूटी करती थी। उसका शव इमरजेंसी बिल्डिंग की चौथी मंजिल पर मिला था। महिला डॉक्टर की हत्या के खिलाफ देश भर में रोष है और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में डॉक्टर हड़ताल कर रहे हैं।

केदारनाथ पैदल मार्ग पर 20 अगस्त से आवाजाही कर सकेंगे श्रद्धालु!

आपदा में 13 स्थानों पर हुआ था क्षतिग्रस्त

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ पैदल मार्ग को भले ही आवाजाही के लिए खोल दिया गया हो, लेकिन अभी भी तीर्थ यात्रियों को सोनप्रयाग से आगे जाने की अनुमति नहीं दी जा रही।

दरअसल, पैदल मार्ग कई स्थानों पर खतरनाक बना हुआ है, जिसे देखते हुए प्रशासन ऐहतियात बरत रहा है। हालांकि, उम्मीद है कि 20 अगस्त से पैदल मार्ग पर आवाजाही शुरू कर दी जाएगी।

आपदा में क्षतिग्रस्त केदारनाथ पैदल मार्ग आवाजाही के लिए चालू

बीती 31 जुलाई को आई आपदा में केदारनाथ पैदल मार्ग 13 स्थानों पर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। हालांकि, अब उसे दुरुस्त कर आवाजाही के लिए खोल दिया गया है।

सोनप्रयाग थानाध्यक्ष डीएस असवाल ने बताया कि क्षतिग्रस्त हुए स्थानों पर पैदल मार्ग काफी संकरा है, जिससे दुर्घटना का खतरा बना हुआ है।

हेली सेवा से यात्रा जारी

इसे देखते हुए रविवार को भी सौ से अधिक तीर्थ यात्रियों को सोनप्रयाग से आगे नहीं जाने दिया गया। अलबत्ता, हेली सेवा से यात्रा जारी है। वहीं, स्थानीय निवासियों, व्यापारियों व घोड़ा–खच्चर स्वामियों को केदारनाथ जाने दिया जा रहा है।

दल्ली में हिट एंड रन केस, साइकिल सवार को कार ने रौंदा, मौके पर ही मौत

नई दिल्ली , दिल्ली के आश्रम इलाके में रफ्तार का कहर देखने को मिला। यहां साइकिल सवार को तेज रफ्तार लक्जरी कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि साइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान राजेश के रूप में हुई है। वहीं, इस घटना के बाद मौके चालक फरार हो गया। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, शनिवार सुबह साउथ ईस्ट दिल्ली के आश्रम इलाके में हिंट एंड रन का मामला सामने आया है। यहां पर एक साइकिल सवार को मर्सिडीज चालक ने टक्कर मार दी। जिससे साइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर स्थानीय थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आगे की कार्रवाई चल रही है।

बस और मैक्स गाड़ी के बीच भीषण टक्कर, 10 लोगों की दर्दनाक मौत

● रक्षाबंधन के लिए घर जा रहे थे मृतक

बुलंदशहर ,यूपी के बुलंदशहर में रविवार को एक भयानक सडक़ हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना सलेमपुर थाना क्षेत्र में हुई, जहां यात्रियों से भरी एक मैक्स गाड़ी की टक्कर सामने से आ रही बस से हो गई। हादसे के शिकार लोग गाजियाबाद की एक कंपनी में काम करते थे और रक्षाबंधन के अवसर पर अपने घर अलीगढ़ जा रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, गाजियाबाद से चलकर मैक्स वाहन में सवार करीब 20–22 लोग अलीगढ़ जा रहे थे। जैसे ही यह वाहन बुलंदशहर के सलेमपुर थाना क्षेत्र के पास पहुंचा, एक प्राइवेट बस से उसकी आमने–सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मैक्स गाड़ी अनियंत्रित होकर खेत में पलट गई। इस हादसे में मौके पर ही 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 1 व्यक्ति ने बाद में दम तोड़ दिया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने हादसे में 10 लोगों की मौत की पुष्टि की है। घायलों को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने सडक़ पर चक्का जाम कर दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया। यह हादसा मेरठ–बदायूं हाईवे पर सलेमपुर गांव के पास हुआ। बताया जा रहा है कि शिकारपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार प्राइवेट बस ने एक वाहन को ओवरटेक करते समय मैक्स गाड़ी को टक्कर मार दी।

संपादकीय

देवभूमि में घृणित कार्य

लगता है देवभूमि उत्तराखंड को किसी की नजर लग गई है। जिस प्रदेश की जमीन पर महिलाओं को सबसे सुरक्षित समझा जाता था और जहां कान में देवियों का वास माना जाता है आज वही महिलाएं तो छोड़िए छोटी मासूम बच्चियों तक की इज्जत सुरक्षित नहीं रह गई है। राजधानी देहरादून के आईएसबीटी बस अड्डे से सुरक्षित स्थान भला और किस माना जा सकता है जहां से चंद कदमों की दूरी पर एक पुलिस चौकी है तो वही रात भर बेसन के आने जाने का सिलसिला चलता रहता है लेकिन जब साजिश दिलो दिमाग पर हावी हो जाए तो फिर किसी अकेली मासूम बेबस लड़की की इज्जत कैसे सुरक्षित रह सकती है? राजधानी देहरादून के आईएसबीटी में दिल्ली से लाई गई एक बेबस लड़की को रोडवेज कर्मियों ने अपना खिलौना समझ लिया और उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। बस चालक और परिचालक की हैवानियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि स्वयं रेप करने के बाद उन्होंने न केवल दूसरी बस के चालक परिचालक को बुलाया बल्कि रोडवेज में पैसा जमा करने वाले कैशियर को भी निमंत्रण दे डाला। महिला आयोग के पास मामला पहुंचा तो यह घृणित और देवभूमि को झकझोर देने वाला प्रकरण सामने आया। तुरत फुरत में कार्रवाई की गई तो जांच के दौरान सीसीटीवी में चालक परिचालक की संदिग्ध गतिविधियों के सामने आने के बाद पांच गिरफ्तारियां की गई। अब पुलिस दावा कर रही है कि इस सामूहिक बलात्कार प्रकरण में पांचो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। असल में इस साजिश का पूरा ताना–बाना रोडवेज बस चालक ने दिल्ली के कश्मीरी गेट में ही बुन लिया था। पीडित बालिका उसे दिल्ली कशमीरी गेट स्टेशन पर मिली थी, जो उससे पजांब जाने वाली बस के बारे में जानकारी ले रही थी, नाबालिक बालिका को अपने साथ देहरादून चलने तथा वहां से पौंटा होते हुए पजांब भेजने की बात बताते हुए उसे देहरादून लाया गया, जहां रात्री में बस से सभी सवारियों के उतरने के बाद अभियुक्त द्वारा बस ड्राइवर के साथ मिलकर उक्त नाबालिक बालिका के साथ दुष्कर्म किया गया, तत्पश्चात आस–पास खडी अन्य बसों के दो चालकों द्वारा भी नाबालिक बालिका के साथ दुष्कर्म किया गया। हद यहीं पर समाप्त नहीं हुई और टिकट का पैसा जमा करने क्या शेर के पास जाने पर कंडक्टर द्वारा उसे भी इस घृणित कार्य के लिए निमंत्रण दिया गया और कैशियर ने भी असहाय मासूम लड़की के साथ बलात्कार किया। जो लोग अब तक देवभूमि को महिलाओं के लिए सुरक्षित बताने से बाज नहीं आते थे उन्हें अब यह समझ लेना चाहिए कि देवभूमि उत्तराखंड की स्तिथि अब बहुत बदल चुकी है। यहां अब वह सब भी घटित होता है जिसकी उत्तराखंड के मूल निवासियों ने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। ऐसा घिनौना कार्य यदि उत्तराखंड में हो रहा है तो मान लेना चाहिए कि किसी देश में कहीं भी लड़कियां सुरक्षित नहीं है। उत्तराखंड के इतिहास में यह घटना हमेशा एक काला कलंक बनकर याद की जाएगी जिसमें आरोपी भले ही गिरफ्तार किए गए हो लेकिन इस प्रकार की मनोवृत्ति, असुरक्षित व्यवस्थाएं और मौकापरस्ती भूले नहीं भुलाई जाएगी।

स्वतंत्र होना पिंजरे में लौटना

सन 1947 के 15 अगस्त की सुबह हमने आज़ादी का स्वाद चखा, आसमान में उडऩे के आल्हाद का अनुभव किया। हम झूमे, हम नाचे। तब अरमान हमारे पंख बन गए। और आज हम अपनी उस आज़ादी की 78वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। यह जश्न मनाने का समय तो है ही, पर साथ ही सोचने–विचारने का समय भी है। क्या हम वाकई आजाद हैं? या फिर हम धूसर आकाश में केवल अलसुबह उडऩे वाली कबूतरी हैं? क्या भारत को वह आज़ादी हासिल है जिसकी कल्पना हमनें 15 अगस्त 1947 को की थी? क्या हमारा प्रजातंत्र हमें सचमुच की स्वतंत्रता देते हुए हैं? आज़ादी के 78वें साल में भारत के नागरिक आखिर कितने आजाद है? आज़ादी के बाद से कभी भी भारत के लोगों ने भरपूर आजादी कभी अनुभव नहीं की। बीच–बीच में कई तूफ़ान आये, कई चुनौतियाँ आईं। मगर आज़ादी उतनी अधूरी, उतनी लंगड़ी कभी नहीं थी जितनी वह पिछले दस सालों से है। और यह सच्चाई है भले कितनी ही कड़वी लगे।

श्रुति व्यास

आपके पास दो विकल्प हैं झ या तो आप स्वयं एक लकीर खींच लीजिये और यह तय कर लीजिये की आप उसे पार नहीं करेंगे और या फिर अपनी बर्बादी का मंजर देखने के लिए तैयार रहिये। राष्ट्रवाद, आज़ादी की सीमा तय कर रहा है। राष्ट्रवाद, प्रजातंत्र और बोलने की आज़ादी का गला घोंट रहा है। आज़ादी के 78वें साल में आप बोल तो सकते हैं, मगर डरते–डरते। आप आसमान में उड़ तो सकते हैं, मगर शाम ढले पिंजरे में लौटने के लिए। आज जिस आकाश में तिरंगा लहराएगा वह धूसर होगा और उसमें एक सफ़ेद कबूतरी उड़ रही होगी झ पिंजरे में वापस जाने के लिए शापित।

मैं हर सुबह, उसे ऊंची उड़ान भरते देखती हूं। वह काले कबूतरों में मन छूती सफेदी थी। और आकाश जब साफ़ व नीला होता था, तो वह चमचमाती थी, जगमगाती थी। उसके पंख उसे ऊपर, और ऊपर ले जाते थे। लेकिन तभी वह एकाएक, गुलाटियां खाते हुए मेरे पड़ोसी की विशाल छत पर फैले दाने चुगने के लिए झपट्टा मारती थी! ओह! धूसर आकाश से उतरती वह सफ़ेद कबूतरी। केवल अल सुबह वह दिखती थी। जल्दी ही मुझे समझ आया कि अरे, यह तो पिंजरे का पंछी है। उसे केवल सुबह–सुबह आज़ादी मिलती है और फिर पूरे दिन के लिए वापिस पिंजरे में! मगर हां, वह जब भी आजाद हो ऊंची उड़ती हुई आकाश में गोते लगाती है, नाचती है तो उसे देखना आंखों को ख़ुशी से सराबोर कर देता है। मगर फिर अचानकज्उसके बाद क्या?

आज़ादी! इस शब्द को हम बहुत हल्के में लेते हैं। हम इसकी अहमियत तब तक नहीं समझ पाते जब तक वह हमसे छीन नहीं ली जाती। हमें–आपको, पक्षियों को भी आज़ादी का अहसास केवल खुले आसमान में होता है, पिंजरे में या जंजीरों में बंध कर नहीं। स्वतंत्रता हमें अपना सिर ऊपर उठा कर जीने देती है, वह हमें अपने लिए सोचने देती है। तभी आज़ादी हर एक के लिए अमृत है, संजीवनी है।

हम भारतीय जानते हैं कि गुलामी में जीना क्या होता है? हम जानते हैं कि पिंजरा कैसा होता है, कैद कैसी होती है। हम जानते हैं कि खुले आकाश में उडऩा कैसा होता है। हम जानते हैं कि आधी रात को हमें जो आज़ादी हासिल हुई उसके पीछे न जाने कितने सालों, कितने दशकों का संघर्ष था, लड़ाई थी और कुर्बानियां थीं।

सन 1947 के 15 अगस्त की सुबह हमने आज़ादी का स्वाद चखा, आसमान में उडऩे के आल्हाद का अनुभव किया। हम झूमे, हम नाचे। तब अरमान हमारे पंख बन गए। और आज हम अपनी उस आज़ादी की 78वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

यह जश्न मनाने का समय तो है ही, पर साथ ही सोचने–विचारने का समय भी है। क्या हम वाकई आजाद हैं? या फिर हम धूसर आकाश में केवल अलसुबह उडऩे वाली कबूतरी हैं? क्या भारत को वह आज़ादी हासिल है जिसकी कल्पना हमनें 15 अगस्त 1947 को की थी? क्या हमारा प्रजातंत्र हमें सचमुच की स्वतंत्रता देते हुए हैं? आज़ादी के 78वें साल में भारत के नागरिक आखिर कितने आजाद है?

आज़ादी के बाद से कभी भी भारत के लोगों ने भरपूर आजादी कभी अनुभव नहीं की। बीच–बीच में कई तूफ़ान आये, कई चुनौतियाँ आईं। मगर आज़ादी उतनी अधूरी, उतनी लंगड़ी कभी नहीं थी जितनी वह पिछले दस सालों से है। और यह सच्चाई है भले कितनी ही कड़वी लगे।

अगर हम वैश्विक मानदंडों की बात करें तो आज के भारत को केवल आंशिक रूप से आजाद कहा जा सकता है। इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि हमारे प्रजातान्त्रिक अधिकारों पर कई तरह की रोकें हैं। 'अच्छे दिनों' की लालसा में, 'नए भारत' के सपने देखने में हम इतने मशगूल हो गए थे कि जो हो रहा था, हमने उसे होने दिया। पिछले कम से कम पांच सालों के बारे में तो यह कहा ही जा सकता है कि हम वैसे सहिष्णु और धर्मनिरपेक्ष समाज नहीं बचे हैं जिसका सपना आजाद भारत की नींव रखने वालों ने देखा था। हमसे कहा गया कि हम इंडिया और भारत में से एक को चुनें। हमने वह किया। हम अपने में गुम हो गए झ इस हद तक कि हम अपनों को ही निशाना बनाने लगे। प्रजातन्त्र के चारों स्तंभों की चूलें हिल गई है और हिली हुई हैं। आप कुछ भी लिखने के लिए केवल तब तक स्वतंत्र हैं जब तक कि आपके दरवाज़े पर कोई खटखटाता नहीं है। और एक खटखटाहट ही आपकी आज़ादी का अंत हो सकती है। आप अपना व्यापार–व्यवसाय करने के लिए केवल तब तक स्वतंत्र हैं जब तक किसी एजेंसी का कोई नोटिस आपकी उस आज़ादी को छीन नहीं लेता। आप विरोध करने के लिए केवल तब तक स्वतंत्र हैं जब तक आप उस बैरिकेड को नहीं लांघते जो आपके लिए लगाया गया है। आपके पास दो विकल्प हैं झ या तो आप स्वयं एक लकीर खींच लीजिये और यह तय कर लीजिये की आप उसे पार नहीं करेंगे और या फिर अपनी बर्बादी का मंजर देखने के लिए तैयार रहिये। राष्ट्रवाद, आज़ादी की सीमा तय कर रहा है। राष्ट्रवाद, प्रजातंत्र और बोलने की आज़ादी का गला घोंट रहा है।

आज़ादी के 78वें साल में आप बोल तो सकते हैं, मगर डरते–डरते। आप आसमान में उड़ तो सकते हैं, मगर शाम ढले पिंजरे में लौटने के लिए। उल्लास गुमशुदा हो गया है। आज जिस आकाश में तिरंगा लहराएगा वह धूसर होगा और उसमें एक सफ़ेद कबूतरी उड़ रही होगी झ पिंजरे में वापस जाने के लिए शापित। देश में विवाद हैं, गिरोहबंदी है, बंटवारा है। हम शायद रास्ता भूल गए हैं। हम शायद नहीं जानते कि हम किस तरह का भारत चाहते हैं। क्या हम अनंत आकाश में अनंत काल तक उडऩा चाहते हैं या पिंजरा ही हमारी नियति है?

राजनैतिक दलों का आत्मचिंतन

अजय दीक्षित

खबर है कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने देश के भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और वहां के उप मुख्यमंत्रियों से दो दिन तक मंथन किया । अब मीडिया में यह तो नहीं आया कि इस मंथन की विषय वस्तु क्या थी, परन्तु यह तो निश्चित ही है कि भाजपा के गिरते ग्राफ और कई राज्यों में मुख्यमंत्रियों की प्रति असंतोष पर गहन चर्चा हुई होगी । मीडिया में यह तो आया है कि उत्तर प्रदेश में केशव प्रसाद मौर्य व अन्य उप मुख्यमंत्रियों का योगी जी द्वारा आहूत बैठकों में भाग न लेने को अनुशासनहीनता माना गया है । मैं पहले लिख चुका हूं कि प्रोटोकॉल के अनुसार नड्डा जी को केशव प्रसाद मौर्य को समय देकर उनसे नहीं मिलना चाहिए था । पिछले कुछ दिनों से केशव प्रसाद मौर्य खुलेआम कह रहे हैं कि सरकार से बड़ा संगठन होता है । परन्तु भाजपा का शीर्षस्थ नेतृत्व अभी उत्तर प्रदेश में योगी जी को बदलने नहीं जा रहा है । प्रधानमंत्री तो कई बार कह चुके हैं कि यूपी योगी यानि 'उपयोगी' । यह खबर भी काफी प्रचलित है कि योगी जी प्रधानमंत्री की कुर्सी की ओर देख रहे हैं । परन्तु 2029 के लोकसभा चुनाव में भी अभी मोदी जी ही चौथा टर्म करेंगे । योगी जी की बुलडोजर नीति घरेलू मामले में कामगार हो सकती है, परन्तु अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य के बारे में योगी जी की परीक्षा अभी हुई नहीं हैं । विश्व स्तर पर आज मोदी जी सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं । कई करोड़ से ज्यादा विदेशी भी मोदी जी के भक्त हैं । जिस तरह मोदी जी यूक्रेन और रूस तथा रूस और अमरीका के बीच भारत के संबंधों में बैलेंस बनाये हुये हैं, ऐसी डिप्लोमेसी शायद अभी किसी अन्य नेता के पास डिप्लोमेसी नहीं है । परन्तु भाजपा की तत्काल चिंता अपना वोट बैंक बढ़ाने की है । 400 पार और स्वयं के लिए 370 का नारा फेल हो गया और भाजपा 240 पर ही सिमट गई । वह स्वयं के 272 जीतकर भाजपा की सरकार नहीं बना पाई । आज गठबंधन की सरकार के प्रधानमंत्री मोदी जी हैं ।असल में दूसरी पार्टी से लाये गये लोगों को तत्काल मंत्री बनाने से पुराने भाजपाई खुश नहीं हैं । मध्य प्रदेश में जिस प्रकार विजयपुर के विधायक रामनिवास रावत को पहले राज्य मंत्री और फिर पन्द्रह मिनट बाद कैबिनेट मंत्री बना दिया गया, इससे भाजपाई विधायक आहत हैं । फिर उन्हें मंत्रालय भी उनकी पसंद का दिया गया है । वे भी कांग्रेस छोडक़र भाजपा में शामिल हुए हैं । परन्तु अभी तक उन्होंने सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया है और न ही विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने दल परिवर्तन के आधार पर उनकी सदस्यता रद्द की है । असल में महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में विधानसभा अध्यक्ष उसी पार्टी का होता है, अतः वह नियम की अपेक्षा पार्टी हित ज्यादा देखता है । आम आदमी पार्टी में स्वाति मालीवाल का प्रकरण भी खबरों में है । असल में कहते हैं, अरविन्द केजरीवाल उनसे राज्यसभा से इस्तीफा देने को कह रहे हैं ताकि मनु सिंघवी को राज्यसभा सदस्य बनाया जा सके । समाजवादी पार्टी में चाचा भतीजे में अन्दर कलह है । यूं बाहरी तौर पर वे इसे प्रकट नहीं करना चाहते । अब विधानसभा में कौन लीडर ऑफ अपोजिशन होगा, यह सपा तय नहीं कर पा रही है । कई राजनैतिक दल अपने अन्तर कलह से परेशान हैं । यह स्थिति देश हित में नहीं है । मोदी जी कहते हैं पार्टी से बड़ा देश है ।

भारत में भी क्या बांग्लादेश जैसा हाल?

सत्येन्द्र रंजन

हमारे पड़ोस में यह घटनाक्रम कुछ ज्यादा तीव्र रूप में और अधिक स्पष्ट में देखने को मिला है। हम उससे सबक ना लें, तो ऐसा हम अपने लिए जोखिम मोल लेते हुए करेंगे। इसलिए जो कांग्रेस नेता बांग्लादेश या श्रीलंका को एक चेतावनी बता रहे हैं, उन पर नाराज होने की जरूरत नहीं है। हुआ सिर्फ यह है कि अनगिनत लोगों के मन में घुमड़ती बातें उनकी जुबान पर आ गई हैं।

श्रीलंका की कहानी अलग नहीं थी। पाकिस्तान की कथा भी बहुत अलग नहीं है। अंतर सिर्फ यह है कि पहले दोनों देशों में सेना ने राजनीतिक टकराव के बीच तटस्थ रुख अपनाया, जबकि पाकिस्तान में सारे घटनाक्रम की सूत्रधार सेना बनी रही है।

दो साल पहले जो श्रीलंका में हुआ था, वह इस हफ्ते बांग्लादेश में दोहराया गया। श्रीलंका में 'आती जनता' को देख राष्ट्रपति गोटबया राजपक्षे सिंहासन छोड़ भागे थे। बांग्लादेश में यही हश्र प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद का हुआ।

दोनों घटनाओं से हिली जमीन की कंपन अब नई दिल्ली तक पहुंच रही है। गौर कीजिएःकांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने एक पुस्तक लोकार्पण समारोह में कहाः 'कश्मीर में सब कुछ सामान्य नजर आ सकता है। (चुनाव नतीजों के बाद यहां दिल्ली में) सब कुछ सामान्य दिख सकता है। लेकिन हकीकत यह है कि जमीन के नीचे कुछ हो रहा है। जो बांग्लादेश में हुआ, वह यहां भी हो सकता है।'खुर्शीद की इस टिप्पणी के बारे में जब कांग्रेस सांसद शशि थरूर से पूछा गया, तो उनका जवाब थाः 'उनका क्या मतलब था, यह आपको उनसे ही पूछना होगा। दूसरों की टिप्पणी पर टिप्पणी करना मेरा काम नहीं है। लेकिन बांग्लादेश में हुए तर्जुबे का बड़ा संदेश यह है कि इसने लोकतंत्र, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव, पारदर्शिता, व्यवस्था में लोगों की भागीदारी, लोकतंत्र की सभी संस्थाएं निष्पक्ष ढंग से काम करें इसे सुनिश्चित करने आदि का महत्त्व हमें बताया है। अगर यह सुनिश्चित हो, तो बांग्लादेश में जैसी घटनाओं के होने की कम गुंजाइश होगी।'कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर और विस्तार में गए। उन्होंने ध्यान दिलाया कि बांग्लादेश में आर्थिक विकास के बावजूद बेरोजगारी काफी बढ़ गई थी। इसके अलावा वहां लोकतंत्र में खामियां उभरीं। पिछले दो आम चुनाव बिना विपक्ष की भागीदारी के कराए गए। अय्यर ने कहा कि बांग्लादेश की स्थिति की तुलना भारत से की जा सकती है। इस सिलसिले में उन्होंने गैर–सरकारी संस्था वोट फॉर डेमोक्रेसी की रिपोर्ट का जिक्र भी किया, जिसमें 79 लोकसभा सीटों के परिणाम पर संदेह जताया गया है। ये वे सीटें हैं, जहां मतदान खत्म होने के बाद जितना वोट प्रतिशत बताया गया था, बाद में उसमें काफी बढ़ोतरी कर दी गई। ये सारी सीटें भाजपा के खाते में गईं।)मध्य प्रदेश में कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा ने इंदौर नगर निगम में कथित घोटाले के खिलाफ एक विरोध सभा को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीलंका और बांग्लादेश के बाद अब भारत की बारी है। उन्होंने कहा– 'नरेंद्र मोदी जी याद रखिए। आपकी गलत नीतियों के कारण एक दिन लोग प्रधानमंत्री आवास में घुस कर वहां कब्जा जमा लेंगे। हाल में ऐसा श्रीलंका और बांग्लादेश में हुआ, अब भारत की बारी है।'यह तो स्वाभाविक ही है कि भारतीय जनता पार्टी ने इन बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया जताई है। उसके प्रवक्ताओं ने कांग्रेस पर देश में अफरातफरी फैलाने की कोशिश का आरोप लगाया है। साथ ही ऐसी बातें कहने वाले नेताओं पर देशद्रोह का मुकदमा चलाने की मांग की है। भारतीय जनता पार्टी से इसके अलावा किसी और तरह की प्रतिक्रिया की उम्मीद भी नहीं की जा सकती। क्योंकि उसके नेताओं से यह अपेक्षा तो नहीं रखी जा सकती कि वे किसी घटनाक्रम की तह तक जाएंगे और उसके कारणों की पड़ताल करते हुए आत्म–निरीक्षण करेंगे।लेकिन देश के जो संवेदनशील और समझदार समूह हैं, उन्हें खासकर बांग्लादेश में हुए जन विद्रोह पर अवश्य ही खुले दिमाग से विचार करना चाहिए। आखिर बांग्लादेश के बारे में आर्थिक विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहे देश की छवि बनी थी। यह समझा जाता था कि प्रधानमंत्री शेख हसीना चूंकि देश को खुशहाली के पथ पर ले गई हैं, इसलिए वे लोकप्रिय हैं–लोग उनकी राजनीतिक मनमानियों को सहने के लिए राजी हैं। कम–से–कम भारत में यह अंदाजा बहुत कम लोगों को होगा कि इस आर्थिक विकास और खुशहाली का स्वरूप इतना विषम और श्रमिक विरोधी रहा है कि लोगों के मन में एक ज्वालामुखी तैयार होने लगी थी।

श्रीलंका की कहानी इससे अलग नहीं थी। पाकिस्तान की कथा भी बहुत अलग नहीं है। श्रीलंका और बांग्लादेश तथा पाकिस्तान की हालत में अंतर सिर्फ यह है कि पहले दोनों देशों में सेना ने राजनीतिक टकराव के बीच तटस्थ रुख अपनाया, जबकि पाकिस्तान में सारे घटनाक्रम की सूत्रधार सेना बनी रही है। मई 2023 में लोगों के असंतोष का ज्वालामुखी वहां भी फटा था, परंतु सेना ने दमनकारी रुख अख्तियार कर उसे दबा दिया। फिर भी यह मान लेना अभी जल्दबाजी होगी कि वहां सामान्य स्थिति बहाल हो चुकी है।

सैफ ने परिवार के साथ मनाया जन्मदिन

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान ने शुक्रवार को परिवार के साथ अपना 54वां जन्मदिन मनाया। बेटी सारा ने इसकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। सारा के इंस्टाग्राम पर 4.57 करोड़ फॉलोअर्स हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सैफ की केक कटिंग की कई तस्वीरें शेयर की हैं।

इस तस्वीर में बर्थडे बॉय सैफ को हाफ व्हाइट स्लीव टी–शर्ट और ब्लू डेनिम जींस पहने दिखाया गया है। सारा ने ब्लू स्लीवलेस क्रॉप टॉप और ऑफ–व्हाइट ट्राउजर पहना हुआ है। सारा के छोटे भाई इब्राहिम व्हाइट शर्ट और ब्लू डेनिम जींस में काफी अच्छे लग रहे हैं।

इस तस्वीर में सैफ की दूसरी पत्नी और अभिनेत्री करीना कपूर भी दिखाई दे रही हैं। वह पूरी तरह से डेनिम आउटफिट में हैं। तस्वीरों में गुब्बारों की सजावट दिख रही है, जिन पर बेस्ट डैड लिखा हुआ है। सैफ चॉकलेट केक काटते हुए नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट का कैप्शन है, हैप्पीएस्ट बर्थडे अब्बा। करीना की बड़ी बहन करिश्मा कपूर ने बर्थडे बॉय के साथ एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा, हैप्पी बर्थडे सैफू। सैफ भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मंसूर अली खान पटौदी और अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के बेटे हैं। उनकी दो छोटी बहनें हैं, डिजाइनर सबा अली खान और अभिनेत्री सोहा अली खान।उनकी पहली शादी अभिनेत्री अमृता सिंह से हुई थी। उनसे सैफ के दो बच्चे अभिनेत्री सारा और बेटा इब्राहिम हैं। अमृता और सैफ 2004 में अलग हो गए थे।सैफ ने 16 अक्टूबर 2012 को मुंबई के बांद्रा में एक निजी समारोह में करीना से शादी की। इस शादी से भी उनके दो बच्चे तैमूर और जेह हैं।उन्होंने 1993 में फिल्म परंपरा में मुख्य भूमिका के साथ अपने अभिनय की शुरुआत की। यश चोपड़ा द्वारा निर्देशित इस एक्शन ड्रामा में सुनील दत्त, विनोद खन्ना, आमिर खान, नीलम कोठारी, रवीना टंडन, अश्विनी भावे, राम्या कृष्णा और अनुपम खेर जैसे कलाकार थे।सैफ आशिक आवारा, मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, कच्चे धागे, हम साथ–साथ हैं, कल हो ना हो, रहना है तेरे दिल में, दिल चाहता है, एलओसी कारगिल, ओमकारा, परिणीता, ता रा रम पम, लव आज कल, फैंटम, ताण्हाजी और विक्रम वेधा में नजर आ चुके हैं।

दिल्ली प्रीमियर लीग में युवा खिलाड़ियों के लिए पहचान बनाने का बड़ा मौका – ऋषभ पंत

नई दिल्ली ,स्टार बल्लेबाज ऋषभ पंत दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में पुरानी दिल्ली 6 की ओर से खेल रहे हैं। पंत का मानना है कि डीपीएल उन खिलाड़ियों के लिए एक सुनहरा मौका है जो बड़े मंच पर अपनी छाप छोडऩा चाहते हैं। भारतीय टीम के धुरंधर बल्लेबाज पंत शनिवार को पुरानी दिल्ली 6 की तरफ से साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के खिलाफ डीपीएल के उद्घाटन मैच में उतरेंगे। डीपीएल में पंत और ईशांत शर्मा की जोड़ी मैदान पर धूम मचाने के लिए तैयार है। मैच से पहले पंत ने कहा कि डीपीएल में पुरानी दिल्ली 6 और अन्य टीमों के खिलाड़ियों को बहुत अच्छे अवसर मिलेंगे। उन्होंने दिल्ली के प्रशंसकों के सामने खेलने के लिए उत्साह भी व्यक्त किया। पंत ने कहा कि मैं दिल्ली प्रीमियर लीग खेलने को लेकर बहुत उत्साहित हूं क्योंकि मुझे लगता है कि यह उन खिलाड़ियों के लिए एक बहुत बड़ा मौका है जिन्हें आईपीएल में पहचान नहीं मिली है। जब लोग आपको इन लीग में खेलते देखेंगे, तो वे आपको चुनेंगे। उम्मीद है कि इन युवा खिलाड़ियों का इस टूर्नामेंट में अच्छा सफर रहेगा।

कोलकाता में मोहन बागान बनाम ईस्ट बंगाल एफसी मैच सुरक्षा कारणों से रद्द

कोलकाता ,डूरंड कप के मोहन बागान और ईस्ट बंगाल एफसी के बीच रविवार को विवेकानंद युबा भारती क्रीड़ांगन में होने वाला कोलकाता डर्बी मैच शहर में अशांति की स्थिति के कारण रद्द कर दिया गया है और इसके जमशेदपुर स्थानांतरित होने की संभावना है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या से पूरे शहर में व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है, और नगरपालिका पुलिस के अनुसार, मुख्य चुनौतियों में से एक सुरक्षा बनाए रखना है।

शहर में अशांति की स्थिति के कारण मोहन बागान और ईस्ट बंगाल एफसी के बीच कोलकाता डर्बी को रद्द कर दिया गया है। दोनों टीमें ग्रुप ए में एक–एक अंक साझा करेंगी। कोलकाता में होने वाले सभी मैचों को संभवतः जमशेदपुर में स्थानांतरित किया जाएगा। आधिकारिक पुष्टि शाम को होगी।

इसमें आगे कहा गया, टिकटों के रिफंड की प्रक्रिया 19 अगस्त, 2024 से शुरू होगी और प्रशंसक अपने खरीदे गए टिकटों को संबंधित बॉक्स ऑफिस पर ला सकते हैं, ताकि रिफंड प्रक्रिया शुरू की जा सके। अंक बंटवारे के बाद मोहन बागान टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है।

जब सनी और विक्की कौशल में हुआ बॉक्सिंग मैच, देखने आया था पूरा मोहल्ला

बॉलीवुड में विक्की कौशल हिट फिल्मों के जरिए पहले से ही अपना पैर जमा चुके हैं। अब उनके भाई सनी कौशल भी उनके नक्शेकदम पर चल रहे हैं। दोनों भाइयों की फैन फॉलोइंग जबरदस्त है। इस बीच सनी ने विक्की के कुछ शरारतों से भरे किस्से शेयर किए। उन्होंने पंजाब में अपने बचपन की छुट्टियों से जुड़ी एक कहानी साझा की, जहां दोनों बॉक्सिंग मैच खेला करते थे।

सनी कॉमेडियन और एक्टर जाकिर खान द्वारा होस्ट किए गए आपका अपना जाकिर में बतौर स्पेशल गेस्ट पहुंचे। इस दौरान उनके साथ रोमांटिक थ्रिलर फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा के कलाकार तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी भी थे। बातचीत के दौरान सभी ने अपने भाई–बहनों के साथ बॉन्डिंग पर खुलकर बात की। सनी ने कहा, विक्की और मुझमें सिर्फ एक साल और चार महीने का अंतर हैं। हम कपड़ों से लेकर टीवी पर क्या देखना है, हर चीज पर लड़ते थे। उन्हें स्पोर्ट्स में दिलचस्पी थी, और मुझे कार्टून में। हमारे घर में सिर्फ एक ही टीवी था, उसमें अपने पसंदीदा शो देखने के लिए लड़ाइयां होती थी। किस्सा शेयर करते हुए सनी ने बताया, हम छुट्टियां मनाने पंजाब गए थे, हमने टैरेस पर बॉक्सिंग मैच किया। ऐसा लग रहा था कि पूरा मोहल्ला देखने आया था। इस दौरान चीजें थोड़ी बेकाबू हो गई। हर कोई मजाक कर रहा था और कह रहा था कि हम मुंबई के किसी भी दूसरे भाई की तरह ही हैं, हमेशा मुसीबत में पड़ जाते हैं। कभी–कभी यह मजेदार भी होता था और हम जल्दी ही अपने झगड़े भी सुलझा लेते थे। आपका अपना जाकिर सोनी पर प्रसारित होता है। फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा की बात करें तो यह 2021 की फिल्म हसीन दिलरुबा का सीक्वल है। इसका निर्देशन जयप्रद देसाई ने किया है और कनिका ढिल्लों ने इसे लिखा है। साथ ही कलर येलो प्रोडक्शंस और टी–सीरीज फिल्म्स द्वारा निर्मित है।

मशहूर होना व ग्लैमर की दुनिया में तहलका मचाना-उर्फी

उर्फी जावेद अपने फैशन सेंस को लेकर सुर्खियों में बनी रही हैं, लेकिन इस बार वह अपनी अपकमिंग शो फॉलो कर लो यार को लेकर चर्चाओं में हैं। मेकर्स ने शो का ट्रेलर जारी किया है, इसमें उनकी लाइफ से जुड़ी हर चीज.. जैसे स्ट्रगल, सक्सेस और अनसुनी बातों को दिखाया गया है। मेकर्स का दावा हैं कि शो में बिना किसी फिल्टर के उनकी जिंदगी को दिखाया जाएगा। 9 एपिसोड वाली इस सीरीज को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर 23 अगस्त को रिलीज किया जाएगा। यह सोल प्रोडक्शंस की फाजिला अल्लाना और कामना मेनेजेस द्वारा निर्मित और संदीप कुकरेजा द्वारा निर्देशित है। फॉलो कर लो यार को लेकर उर्फी जावेद ने कहा, मैंने हमेशा बड़े सपने देखे हैं, तब भी जब लोगों ने कहा कि मैं ऐसा नहीं कर सकती। मशहूर होना? ग्लैमर की दुनिया में तहलका मचाना? यही मेरा पहले दिन से ही गेम प्लान रहा है। मेरे लिए यह आसान नहीं था।

फुटबॉल : रिकी मीतेई ओबाम को एसएएफएफ यू20 चैंपियनशिप के लिए कप्तान नियुक्त किया

काठमांडू ,भारतीय फुटबॉल टीम एसएएफएफ यू20 चैंपियनशिप के लिए बीती देर रात काठमांडू पहुंच चुकी है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत में अब सिर्फ दो दिन बचे हैं। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में डिफेंडिंग चैंपियन है। टीम के मुख्य कोच रंजन चौधरी और दल के प्रमुख केएल निजामुद्दीन ने खिलाड़ियों को बताया कि रिकी मीतेई हाओबाम और एबिंदास येसुदास को क्रमशः कप्तान और उपकप्तान बनाया गया है। चौधरी ने टूर्नामेंट से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम पिछले दो महीनों से तैयारी कर रहे हैं और सभी खिलाड़ी टूर्नामेंट शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। हमारा पहला मैच बहुत महत्वपूर्ण होगा क्योंकि यह बाकी मैचों के लिए टोन सेट करेगा। भारत दो साल पहले भुवनेश्वर में एसएएफएफ यू20 चैंपियनशिप का चैंपियन रहा है चौधरी ने कहा, हम मौजूदा चैंपियन हैं और यह हमारे लिए मोटिवेशन की बात है। चैंपियन होने के साथ कुछ अपेक्षाएं भी जुड़ी होती हैं और हम इन चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। कप्तान रिकी ने भी कोच की बात का समर्थन किया। उन्होंने कहा, हम पिछली बार भुवनेश्वर में चैंपियन थे और सभी को उम्मीद है कि हम इस टूर्नामेंट में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। हम जीतने पर पूरी तरह से केंद्रित हैं। भारतीय टीम को ग्रुप बी में रखा गया है। भारतीय टीम अपना अभियान सोमवार को भूटान के खिलाफ शुरू करेगी। दूसरा और अंतिम ग्रुप मैच 23 अगस्त को मालदीव के खिलाफ होगा। यह मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2:45 पर शुरू होंगे।एसएएफएफ यू20 चैंपियनशिप के बाद, भारतीय टीम एएफसी यू20 एशियाई कप क्वालीफायर में भाग लेने के लिए लाओस जाएगी, जहां उनका सामना मंगोलिया (25 सितंबर), ईरान (27 सितंबर) और लाओस (29 सितंबर) से होगा।

एक नजर

स्थापना दिवस 20 अगस्त को

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः तृतीय गढ़वाल राइफल्स के गौरव सेनानियों की ओर से बटालियन का स्थापना दिवस समारोह 20 अगस्त को आयोजित किया जायेगा। जानकारी संगठन अध्यक्ष विक्रम सिंह नेगी ने दी। बताया कि समारोह घमंडपुर स्थित एक बारातघर के सभागार में आयोजित किया जायेगा। इस दौरान विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की जायेगी।

विद्यार्थियों को दी विषयों की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः खिर्सू ब्लाक के राइंका चोपड़ा में राजनीति विज्ञान शाखा द्वारा बांग्लादेश संकट एवं भारत विषय पर परिचर्चा कार्यक्रम संवाद का आयोजन किया गया। राजनीति विज्ञान प्रवक्ता मयंक उनियाल द्वारा यह पहल शुरू की गई है जिसके माध्यम से छात्र–छात्राओं को समसामयिक मुद्दों के विषय में जानकारी दी जाती है। मौके पर कार्यक्रम में संजना, अमित ,मीनाक्षी, कंचन, श्वेता, काजल ,प्रीति संजना, आयुष, संतोषी, भारती, राधिका, साक्षी, आशा रावत, अंगिता लिंगवाल, सर्वेश चंद्र गौड़, विनोद नेगी, आनंद कुमार, विनोद कुमार आदि शामिल थे।

मार्ग पर कूड़ा डंपिंग जोन बनाए जाने का ग्रामीणों ने किया विरोध

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः नगरपालिका द्वारा मांडाखाल और गोड़ख्याखाल मोटरमार्ग पर नगरपालिका द्वारा कूड़ा डंपिंग जोन बनाए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई गई है। ग्रामीणों के एक प्रतिनिधिमंडल ने बीते दिन डीएम कार्यालय में ज्ञापन देकर यहां पर कूड़ा डंपिंग जोन नहीं बनाने की मांग उठाई है। चेतावनी दी कि जल्द समस्या का हल नहीं होने पर ग्रामीण उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ग्राम प्रधान संगठन व स्थानीय ग्रामीणो ने डीएम कार्यालय में ज्ञापन दिया।इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि पौड़ी नगरपालिका द्वारा मांडाखाल व गोड़ख्याखाल मोटरमार्ग पर नगरपालिका द्वारा कूड़ा डंपिंग जोन बनाने जा रही है। यहां पर पाबौ ब्लाक के ग्वाड़ीगाड, सरणा, पलिगांव, कुलभोरी, छानी, चोपडियू सहित 1 दर्जन से अधिक गांवों के लिए पेयजल आपूर्ति होती है। साथ ही यहां पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाबौ भी स्थित है। कहा कि पौड़ी नगरपालिका का कूड़ा डंपिंग जोन पौड़ी नगरपालिका क्षेत्र में ही बनाया जाए। कहा कि जल्द ही समस्या का हल नहीं होने पर उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य कलूंण देवकीनंदन शाह, सुधीर रावत, अनिल नेगी,अजय नेगी, सुरेंद्र सिंह आदि शामिल थे।

डेढ़ महीने से बंद उरोली–धनकुराली मोटर मार्ग खोलने की मांग

रुद्रप्रयाग। जखोली ब्लॉक के ममणी–उरोली–धनकुराली मोटर मार्ग डेढ़ माह से भी अधिक समय से बंद पड़ा है। जिससे ग्रामीणों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लंबा समय बीतने के बाद भी अभी तक मोटर मार्ग आवागमन के लिए सुचारू नहीं हो पाया है। जिस कारण ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बरसात के शुरुआत में ही विकासखण्ड जखोली का ममणी उरोली धनकुराली मोटर मार्ग जगह–जगह टूटने से बंद पड़ गया है। इस मोटर मार्ग को बंद हुए डेढ़ माह का समय हो गया है। किंतु मार्ग अभी तक यह सुचारू नहीं हो पाया है। मोटर मार्ग जहां बारिश के कारण कईस्थानों पर धंस गया था वही नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण हुए कई स्थानों पर मार्ग में भूमि कटाव भी हुआ है।

प्रतापनगर के स्कूलों में खुलेंगे पुस्तकालय–प्रमुख रमोला

नई टिहरी। प्रतापनगर के विद्यालयों में राज्य वित्त से बनेंगे पुस्तकालय लम्बगांव,संवाददाता। प्रतापनगर के ब्लाक प्रमुख प्रदीप चंद रमोला ने ब्लाक के इंटर कॉलेजों और माध्यमिक विद्यालयों में संसाधनों की कमी को देखते हुए पुस्तकालय खुलवाने का निर्णय लिया है। जिसके तहत ब्लाक के इंटर कालेजों और माध्यमिक विद्यालयों को पुस्तकालय खोलने को पुस्तकें, आलमारियां व रैक उपलब्ध कराने की बात कही है। रविवार को पत्रकारों से बातचीत में प्रतापनगर के ब्लाक प्रमुख रमोला ने कहा कि प्रतापनगर ब्लाक जनपद का दूरस्थ ब्लाक हैं। यहां के विद्यालय में विभिन्न तरह की प्रतिभाए हैं, लेकिन उन्हें संसाधनों का अभाव है। इसलिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाली ब्लाक की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए ब्लाक के इंटर कालेजों में माध्यमिक विद्यालयों में ब्लाक राज्य वित्त व अन्य संसाधनों की मदद से पुस्तकालय खुलवाने का काम जल्द शुरू किया जाएगा।

चिकित्सकों ने निकाला कैंडल मार्च, कोलकत्ता की घटना पर आक्रोश

- रविवार से पटरी पर लौटने लगी शहर की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं
- घटना के बाद कार्यबहिष्कार पर चल रहे थे स्वास्थ्य कर्मी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कोलकत्ता में महिला चिकित्सक की दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना पर आक्रोशित चिकित्सकों ने कैंडल मार्च निकालते हुए सरकार से आरोपियों को फांसी देने की मांग उठाई। कहा कि देश की बेटियों के साथ इस तरह की घटना किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, शनिवार से ठप पड़ी स्वास्थ्य व्यवस्थाएं धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगी है। रविवार को कई निजी क्लीनिक सामान्य दिनों की तरह खुले हुए नजर आए। हालांकि राजकीय बेस चिकित्सालय में रविवार के अवकास के कारण ओपीडी बंद ही पड़ी हुई थी।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के बेनर तले चिकित्सकों ने झंडाचौक तक कैंडल मार्च निकाला। चिकित्सकों ने कहा कि कोलकत्ता की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। सरकार को मामले की गंभीरता से जांच करवाते हुए आरोपियों को फांसी देनी चाहिए। मालूम हो कि कोलकत्ता की इस घटना के बाद से चिकित्सकों में भारी आक्रोश बना हुआ है। शनिवार को चिकित्सकों ने कार्यबहिष्कार करते हुए आक्रोश रैली भी निकाली थी। ऐसे में अब रविवार सुबह से स्वास्थ्य व्यवस्थाएं पटरी पर आने लगी। निजी क्लीनिक सामान्य दिनों की भांति खुले, जबकि बेस चिकित्सालय में

कोलकत्ता की घटना के विरोध में कोटद्वार के झंडाचौक में कैंडल मार्च निकालते चिकित्सक

आकस्मिक चिकित्सा कक्ष में ही मरीजों का उपचार हुआ। कैंडल मार्च के दौरान चिकित्सकों ने मृतक महिला चिकित्सक की फोटो के समक्ष कैंडल जला श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर बेस चिकित्सालय के प्रमुख अधीक्षक डा.विजयेश भारद्वाज, डा.वागीश चंद्र काला, डा.जयहिंद, डा.जेसी ध्यानी, डा.अभिषेक जैन, डा.रीता काला, डा.सतीश शर्मा आदि मौजूद रहे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी की बहनों ने बांधी राखी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से विभागीय अधिकारियों को राखी बांधी गई। इस दौरान बहनों ने भाईयों की लंबी उम्र के लिए भी कामना की।

विश्व विद्यालय इकाई नजीबाबाद रोड की संचालिका ज्योति के नेतृत्व में बहनों ने तहसील, विद्युत विभाग, कोतवाली, वन विभाग में पहुंचकर अधिकारियों को राखी बांधी। सदस्यों ने विद्युत विभाग के एसडीओ कमल सिंह, वन विभाग के दरोगा राहुल चमोली, आर्मी कैंट के मैनेजर धीरजमणि कुकरेती, पोस्टमास्ट मुकेश पंडीर, महाविद्यालय के प्राचार्य डा.डीएस नेगी को राखी बांधी। इस दौरान बहनों ने व्यापारियों को भी राखी बांधी। सदस्यों ने कहा कि प्रत्येक रक्षाबंधन पर यह अभियान चलाते हैं।

अधिकारियों को राखी बांधती प्रजापिता ब्रह्माकुमारी सदस्य

महाबगढ़-सिमलना पंपिंग योजना में खराबी, पानी को तरसे ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः दुगड्डा ब्लॉक के अंतर्गत महाबगढ़–सिमलना पंपिंग योजना पर खराबी आ जाने के कारण योजना से सेवित सिमलना मल्ला, केष्टा, धूरा भरपूर, चूना महेड़ा, स्यालनी और हर्षू मुणगांव आदि गांवों की लगभग पांच सौ की आबादी को पेयजल संकट झेलना पड़ रहा है। हालत यह है कि लोगों के नलों में पिछले चार पांच दिन से पानी नहीं आया है।

इस संबंध में शनिवार को पूर्व सांसद प्रतिनिधि चंडी प्रसाद कुकरेती के नेतृत्व में स्थानीय ग्रामीणों ने जल संस्थान के अधिशासी अभियन्ता अभिषेक वर्मा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान ग्रामीणों ने अधिशासी अभियंता को अवगत कराया कि पम्पिंग योजना में खराबी आ जाने के कारण क्षेत्रीय ग्रामीणों के लिए पेयजल आपूर्ति नहीं हो पा रही है। इस कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों को एक–डेढ़ किमी. दूर से प्राकृतिक स्त्रोत से पानी लाना पड़ रहा है। इस पर अधिशासी अभियन्ता ने समस्या का शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपने वालों में जनार्दन प्रसाद बुडाकोटी, शशिकान्त गौड़, मनवर लाल भारती और रोशन गौड़ आदि शामिल रहे।

सूचना अधिकार अधिनियम की दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः जिला पंचायत सभागार में रविवार को नेशनलिस्ट यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट की पहल पर सूचना का अधिकारः वर्तमान परिदृश्य विषय पर संगोष्ठी आयोजित हुई। गोष्ठी में राज्य सूचना आयुक्त योगेश भट्ट ने सभी विभागों को आरटीआई–2005 के तहत मांगी जाने वाली सूचनाओं को पूरी पारदर्शिता, बिना किसी दबाव व भय के अपीलार्थी को देने को कहा। उन्होंने सूचना का अधिकार अधिनियम की स्थापना व उद्देश्यों की विस्तार से जानकारियां दी। इस मौके पर आयुक्त ने लोक सूचना अधिकारियों व आम लोगों की आरटीआई से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का समाधान भी किया। संगोष्ठी में गबर सिंह नेगी, प्रशांत नेगी, विक्रम सिंह राणा, प्रदीप कुमार, सीवीओ डॉ. डीएस बिष्ट, सुरेशचंद्र बड़थ्वाल आदि शामिल रहे।

गौतम ऋषि की तपस्थली गंगभेवा बावड़ी को पर्यटन मानचित्र पर लायेंगेः महाराज

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादूनः जनपद के विकासनगर (पछुवादून) स्थित पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व के प्राचीन गौतम ऋषि की तपस्थली महादेव गंगभेवा बावड़ी स्थल का विकास करने के साथ-साथ इसे पर्यटन मानचित्र पर अंकित किया जाएगा। उक्त बात प्रदेश के धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने रविवार को गौतम ऋषि की तपस्थली महादेव गंगभेवा बावड़ी में पूजा अर्चना करने के बाद पूरे परिसर का स्थलीय निरीक्षण करने के बाद कही। उन्होंने कहा कि विकासनगर के पर्यटन को आगे बढ़ाने के लिए और यहां के छिपे हुए पौराणिक धार्मिक स्थलों का विकास करने के अलावा उन्हें पर्यटन मानचित्र पर लाया जाएगा। महाराज ने कहा कि पौराणिक और ऐतिहासिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण और वेद, पुराणों में वर्णित अहिल्या माता और गौतम ऋषि की तपस्थली महादेव गंगभेवा बावड़ी जहां मां गंगा माता साक्षात प्रकट हुई

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते काबीना मंत्री सतपाल महाराज

थी। बहुत ही पवित्र एवं महत्वपूर्ण स्थान है। इसलिए हम इसका विकास कर इसे पर्यटन मानचित्र पर लयेंगे ताकि श्रद्धालु यमुना के क्षेत्र में गंगा का दर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि पछुवादून क्षेत्र का प्राचीन काल से ही बड़ा महत्व रहा है। यहां पर कई सूर्य और चंद्रवशी राजाओं ने बड़े-बड़े यज्ञ किए। प्रसिद्ध ऋषि-मुनियों के आश्रम भी यहां पर मौजूद थे। जिनके प्रमाण आज भी देखने को मिलते हैं। इन्हीं में से एक है गौतम ऋषि की तपस्थली महादेव गंगभेवा बावड़ी मंदिर। इस अवसर पर गंगभेवा बावड़ी मंदिर समिति के अध्यक्ष रविन्द्र सिंह चौहान, उपाध्यक्ष दीपक नौटियाल, पुरुषोत्तम धीमान, अनुराग ठाकुर, आशीष शर्मा, नरेश बहुगुणा, यश कश्यप, मनोज शर्मा, नितिन अग्रवाल, जयपाल सिंह चौहान, सुधीर चौहान, संतोष और श्रीमती नीरू देवी आदि उपस्थित थे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि देते कांग्रेसी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कांग्रेस की ओर से रविवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। कहा कि देश की रक्षा के लिए दिए गए नेता जी के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि नेताजी का संघर्ष देश के लिए प्रेरणा है। कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी लड़कर कैसे जीतना है यह नेताजी ने सिखाया।

देश की आजादी में उनका योगदान अमूल्य है। उन्होंने आजाद हिंद फौज की स्थापना करके देश से ब्रिटिश शासन की नींव हिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा के उनके एक नारे ने युवाओं को आजाद हिंद फौज से जोड़ने का कार्य किया था। वे दो बार कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। उनका क्रांतिकारी जीवन सभी देशवासियों के लिए आदर्श है। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय मित्तल, कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीन रावत, बृजपाल सिंह नेगी, विजय माहेश्वरी,भारत सिंह नेगी और आशाराम सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रह।

उक्रांद ने उत्तराखंड के गांधी को किया याद

स्व.इंद्रमणि बड़ोनी को श्रद्धांजलि देते उक्रांद के सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः उत्तराखंड क्रांति दल की स्थानीय इकाई की ओर से रविवार को उत्तराखंड के गांधी और राज्य निर्माण आंदोलन में अग्रणी नेता इंद्रमणि बडोनी की 26वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस दौरान सदस्यों ने समाज हित में बड़ोनी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

शिब्बू नगर स्थित दल कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में दल नेता डॉक्टर शक्ति शैल कपरवाण ने कहा कि बडोनी उत्तराखंड आंदोलन के प्रमुख नेता और प्रेरणास्त्रोत थे। कहा कि बडोनी की परिकल्पना आत्मनिर्भर उत्तराखंड राज्य निर्माण की थी और उसके लिए उनके पास पर्याप्त विजन था। परन्तु राज्य बनने के बाद सत्ता में आई राष्ट्रीय पार्टियों की सरकार के जन विरोधी रवैये के कारण उत्तराखंड क्रांति दल के नेताओं का राज्य के विकास की कल्पना धराशाई हो गई। उत्तराखंड में आज माफिया तंत्र, भ्रष्टाचारियों और अपराधियों का राज है। सरकार पहाड़वासियों की अनदेखी कर रही है। कार्यक्रम में भारत मोहन काला, सतपाल नेगी, प्रवेश नवानी, महेंद्र सिंह रावत, हरीश द्विवेदी, मनमोहन सिंह, विजय कुमार, नरेंद्र कुमार, मनोज रावत और हरिमोहन सिंह सहित दल के अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

सीडीओ ने ग्रामीणों से स्वरोजगार की गतिविधियां बढ़ाने को कहा

नई टिहरी। सीडीओ डा. अभिषेक त्रिपाठी ने रविवार को चम्बा की ग्राम पंचायत कोटीगाड़ तथा ग्राम पंचायत देवरी मल्ली का भ्रमण कर ग्रामीणों व स्वयं सहायता समूह के तैयार किये जा रहे उत्पादों को देखा। सीडीओ ने कहा की महिलायें अपने रुटीन के कामों के साथ स्वरोजगार के कामों को भी अंजाम दें और लखपति दीदी बनने का काम करें। रविवार को चंबा ब्लॉक के गांवों का भ्रमण करते हुए सीडीओ ने समृद्धी उत्साह स्वायत्त सहकारिता समूह के निर्मित किये जा रहे सेन्टरी पैड, आटा चक्की और मसाला चक्की द्वारा तैयार किये जा रहे धनिया और हल्दी पाउडर सहित अन्य मसालों को देखा। उत्पादित अचार को भी देखा। संबंधित अधिकारियों को सीडीओ ने निर्देशित कर कहा कि उत्पादों को बाजार दिलाकर अच्छा दाम दिलाएं। महिलाओं ने सीडीओ से जंगली जानवरों द्वारा फसलों को भारी नुकसान पहुंचाने की बात बताई। जिस पर रास्ता निकालने का भरोसा दिया गया। सीडीओ ने फलदार वृक्षों को लगाने, कम्पोस्ट खाद बनाने, बांस व रिंगाल के पौधों लगाकर घेर–बाढ़ का सुझाव दिया। सीडीओं ने कहा ग्रामीण मिलकर विभिन्न उत्पाद तैयार करें। इससे गांव में आय के स्त्रोत बढ़ेंगे। सीडीओ ने देवरी मल्ली में हरेला के तहत लगाये गये 15 हजार पौधों में नींबू, कीवी, बड़ी ईलायची आदि का निरीक्षण कर ग्रोथ पर संतोष व्यक्त कर ग्रामीणों से कहा कि इन पौधों के बरसात के बाद नियमित देखें और इनकी सिंचाई भी करें। इससे गांव को अच्छा लाभ मिलेगा।

थराली में ठेकेदारों का धरना जारी

चमोली। दो सूत्रीय मांगों को लेकर ठेकेदारों का धरना 12 वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान ठेकेदारों ने सिंचाई खंड परिसर में शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। रविवार को ठेकेदारों ने राजकीय ठेकेदार संगठन के माध्यम से सिचाई मंत्री सतपाल महाराज को ज्ञापन भेजा है।

धरना देने वालों में ठेकेदार संघ के अध्यक्ष पुष्कर सिंह ,संरक्षक महावीर सिंह बिष्ट, केदा–रदत्त कुनियाल, रणजीत सिंह, गंगा सिंह बिष्ट, हरेंद्र सिंह, बलवंत सिंह,हरिकृष्ण पांडे, महिपाल सिंह, गिरीश कुनियाल आदि शामिल है।

मन के विज्ञान के जरिए छात्र लक्ष्य में हो सकते हैं सफलः नेगी

श्रीनगर गढ़वाल। राजकीय मेडिकल कॉलेज के न्यूरो लिंग्विस्टिक प्रोग्रामिंग (एनएलपी) में रविवार को आयोजित कार्यशाला में एमबीबीएस एवं पैरा मेडिकल छात्रों को मन के विज्ञान और शक्ति पर सुझाव दिये गये। नेशनल फेडरेशन ऑफ न्यूरो लिंग्विस्टिक के प्रशिक्षक एवं गढ़वाल विवि के स्कूल ऑफ साइंस के पूर्व डीन प्रो. डीएस नेगी द्वारा डेढ़ घंटे तक मन के विज्ञान के संदर्भ में छात्र–छात्राओं को जानकारी देकर लक्ष्य में सफल और चुनौतियों से लड़ने के गुर सिखाये। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सीएमएस रावत ने मन व भाषा का संयोजन किस तरह आपके शरीर, विचार, क्रिया, उन्नति, परिणाम पर पॉजीटिव ऊर्जा का संचार करता है व उच्च परिणाम देता है। कहा कि सीखना एक सतत् क्रिया है।

वन बीट अधिकारी संघ के प्रदेश महामंत्री बने कश्यप

ऋषिकेश। शिवालिक वृत वन आरक्षी संघ, देहरादून शिवालिक वन बीट अधिकारी संघ, भागीरथी वन बीट अधिकारी संघ का वार्षिक अधिवेशन रविवार को लच्छीवाला में आयोजित किया गया, जिसमें काला कश्यप को उत्तराखंड वन बीट अधिकारी संघ का महामंत्री चुना गया। लच्छीवाला वन विश्रामगृह में शिवालिक वृत वन आरक्षी संघ, देहरादून शिवालिक वन बीट अधिकारी संघ, भागीरथी वन बीट अधिकारी संघ के वार्षिक अधिवेशन में सैकड़ों वन बीट अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। अधिवेशन में वन बीट अधिकारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन गाड़िया की अध्यक्षता में काला कश्यप को उत्तराखंड वन बीट अधिकारी संघ का महामंत्री, गौरव सौलंकी को वन बीट अधिकारी संघ हरिद्वार का अध्यक्ष, दिवाकर ममगाईं को टिहरी नरेंद्र नगर वन बीट अधिकारी संघ का अध्यक्ष, अनुज कांबाजे को शिवालिक वृत वन बीट अधिकारी संघ का अध्यक्ष और विकास घिल्डियाल को सचिन चुना गया।

पुलिस कर्मियों को राखी बांध रक्षा करने का वादा लिया

ऋषिकेश। भाजपा महिला मोर्चा ऋषिकेश मंडल ने रविवार को कोतवाली में कोतवाल राजेंद्र खोलिया समेत अन्य पुलिसकर्मियों को राखी बांधी। मोर्चा की जिलाध्यक्ष कविता शाह ने कहा कि पुलिस की प्राथमिकता महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों को रोकना होना चाहिए, क्योंकि वर्तमान समय में जिस तरह की घटनाएं देखने को मिल रही हैं, उन्हें पुलिस की सतर्कता द्वारा ही रोका जा सकता है। मंडल अध्यक्ष माधवी गुप्ता ने कहा कि पुलिसकर्मी सभी की रक्षा करते हैं, ऐसे में पुलिस कर्मियों को राखी बांधकर उनसे महिलाओं की सुरक्षा का वादा किया गया है। मौके पर महिला मोर्चा महामंत्री गुड्डी कलुड़ा, उपाध्यक्ष आशा शुक्ला, सुधा असवाल, रीता गुप्ता, कोषाध्यक्ष रुचि जैन, पूर्णिमा तायल, शशि मिश्रा, रेखा चौबे, सुशील बिष्ट, रीता जाटव, रजनी अग्रवाल, निशा सिंह आदि उपस्थित रहे। उधर, आश संस्था तुलसी होटल में कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें संस्थान की बहनों ने एसडीआरएफ के जवान और पुलिस कर्मियों को राखी बांधी। संस्था अध्यक्ष हेमलता ने कोतवाल राजेंद्र खोलिया को राखी बांधी और महिलाओं की सुरक्षा का वादा लिया।

रक्षाबंधन पर ई–रिक्शा में करें मुफ्त सफर

रायवाला। न्याय पंचायत श्यामपुर की ग्राम सभा खदरी के आदर्श ई–रिक्शा चालक संघ ने रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में बहनों के लिए निःशुल्क ई–रिक्शा सेवा का ऐलान किया। क्षेत्र पंचायत सदस्य बीना चौहान ने कहा कि उनके आग्रह पर आदर्श ई–रिक्शा चालक संघ ने रक्षाबंधन पर्व पर बहनों के लिए आवागमन में कोई परेशानी ना हो, इसके लिए निशुल्क सेवा देने का निर्णय लिया है। कहा कि संघ के 11 ई–रिक्शाओं का संचालन फ्री किया जाएगा।

जिसमें रूट चोपड़ा फार्म चौक, बाईपास चोपड़ा फार्म, मोटा प्लाट चौक से खदरी इंटर कॉलेज तक, सेवा प्रांत 8 बजे से एक बजे तक संचालित होगी। मौके पर समाजसेवी विनोद चौहान, ई रिक्शा चालक विनोद राणा, अमर पाल, यशपाल रावत, बलवंत कोठियाल, कुंवर सिंह, राम प्रसाद बेलवाल, संजय सिंह, राम कुमार, राजू शाह, अनिल कुमार, बृजपाल सिंह, अनिल रावत लक्ष्मण राणा आदि रहे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।
उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग

पत्रांकः 3770/18 ए0सी0 दिनांकः–17/08/2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

माननीय राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु सील्ड निविदा दि0 29/08/2024 को अपराहन 03.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 20/08/2024 से 28/08/2024 तक किसी भी कार्य दिवस में निम्नलिखित कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते हैं तथा दिनांक 29/08/2024 को अपराहन 03:00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाले जा सकते हैंः-

1. अधीक्षण अभियन्ता, 12वॉ वृत्त, लो0नि0वि0 पौड़ी। 2. अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0दुगड्डा।
3. अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लैन्सडौन। 4. अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि0 ऋषिकेश।

क्रं. सं.	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैद्यता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1.	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र यमकेश्वर के विकास खण्ड यमकेश्वर में मोहन चट्टी से कुमार्था तक 03 कि0मी0 मोटर मार्ग का निर्माण कार्य 01 नं0 स्टील गर्डर सेतु सहित, हेतु सर्वेक्षण, मृद्दा परीक्षण, डिजाइन, ड्राईंग, डी0पी0आर0 गठन एवं आई0आई0टी0 से वैट का कार्य।	44,000.00	1,500.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	6 माह	कार्यालय प्रमुख अभियंता एवं विभागाध्यक्ष, उत्तराखण्ड, लो0नि0वि0 देहरादून में सेतु कार्य हेतु सूचीबद्ध एमपैनल्ड परामर्शी संस्थायें।

निविदा दिनांक 30/08/2024 को पूर्वाहन 11:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड , लो0नि0वि0 , दुगड्डा में कार्यालय में खोली जायेगी। अन्य शर्ते निविदा पत्र के साथ देखी जा सकेगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।

एक नजर

पुण्यतिथि पर पहाड़ के गांधी को दी श्रद्धांजलि

देहरादून। पर्वतीय गांधी इंद्रमणि बडोनी की पुण्यतिथि पर राज्य आंदोलनकारियों और सामाजिक संगठनों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। उत्तराखंड राज्य आंदोलन के दौरान अहम भूमिका निभाने वाले इंद्रमणि बडोनी के सपनों को साकार करने का संकल्प लिया गया। रविवार को बडोनी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके विचारों पर चलने का संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने स्व: बडोनी की प्रतिमा की जर्जर स्थिति पर चिन्ता व्यक्त की गई और नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ़ भारी आक्रोश व्यक्त किया गया। बताया कि मिट्टी में रोपी गई प्रतिमा हिल रही है और कभी भी धराशाही हो सकती है चेतावनी दी कि यदि नगर पालिका प्रशासन शीघ्र ही बडोनी की मूर्ति को पक्का नहीं करता है और स्मारक के चारों ओर रेलिंग और उनके नाम का बोर्ड नहीं लगता तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान पूर्व विधायक जोत सिंह गुणसोला, पूर्व पालिका अध्यक्ष मनमोहन सिंह मल्ल, पूर्व पालिका अध्यक्ष ओ ० पी ० उनियाल, इंद्रमणी बडोनी स्मृति मंच के अध्यक्ष पूरण जुयाल, महामंत्री प्रदीप भण्डारी, भगवान सिंह धनाई, जसोदा शर्मा, प्रकाश राणा, अमित गुप्ता, व्यापार मण्डल अध्यक्ष रजत अग्रवाल, खुर्शीद अहमद, रमेश कुमार, श्रीपति कंडारी, राजीव अग्रवाल,, संजय टम्टा, रणजीत चौहान, शूरवीर भण्डारी, देवी गोदियाल,आरपी बडोनी, हेमन्त ग्रोवर, आर्यन उनियाल समेत बड़ी संख्या में लोग मोजूद रहे।

काँग्रेस करेगी 22 अगस्त को धरना–प्रदर्शन के साथ ईडी कार्यालय का घेराव

देहरादून। कांग्रेस की ओर से केंद्र की मोदी सरकार पर पूंजीपति साथियों को संरक्षण दिए जाने और विपक्षी दल के नेताओं के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किए जाने का आरोप लगाते हुए पार्टी ने 22 अगस्त को विशाल धरना प्रदर्शन के साथ ईडी कार्यालय के घेराव का ऐलान किया है। इसके लिए प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा की ओर से पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन मथुरादत्त जोशी ने बताया कि कार्यक्रम की सफलता के लिए वरिष्ठ नेताओं को जिला प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है। इसमें देहरादून महानगर में पूर्व मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना, हरिद्वार में पूर्व मंत्री शूरवीर सिंह सजवाण, परवादून में पूर्व मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत, उधमसिंहनगर में पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष रणजीत सिंह रावत, नैनीताल में पूर्व विधायक संजीव आर्य, अल्मोड़ा में पूर्व जिलाध्यक्ष नारायण सिंह बिष्ट, चम्पावत में गणेश उपाध्याय, पिथौरागढ़ में भगीरथ भट्ट, पीताम्बर पांडेय, पौडी में धीरेन्द्र प्रताप, चमोली में डॉ. जीत राम, रुद्रप्रयाग में राजपाल बिष्ट, टिहरी में जयेन्द्र रमोला, रुड़की में आर्येन्द्र शर्मा एवं पछुवादून में महेन्द्र सिंह नेगी को प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आइसा ने महिला यौन उत्पीड़न के विरोध में किया प्रदर्शन

हल्द्वानी। छात्र संगठन आइसा की नगर कार्यकारिणी के बैठक रविवार को व्यापार मंडल कार्यालय में हुई। जिसमें छात्र–छात्राओं की समस्याओं के साथ देश कि वर्तमान सामाजिक व राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा हुई। इसके बाद छात्र–छात्राओं ने देश में बढ़ रहे महिला अपराध के खिलाफ भगत सिंह चौक पर विरोध प्रदर्शन किया। आइसा के जिलाध्यक्ष धीरज कुमार ने कहा की कोलकाता एक महिला डॉक्टर के साथ दरिंदगी से देश दहल गया है। इसके बार देश के अन्य राज्यों में बच्चियों के साथ दरिंदगी की घटनाएं सामने आ रहीं हैं। उत्तराखंड के रुद्रपुर में भी नर्स की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। जब देश आजादी के 78वें साल में प्रवेश कर रहा है, तब ऐसी घटनाएं सामने आना काफी शर्मनाक है। उन्होंने हर कार्यक्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा करने के लिए कड़े कदम उठाने के मांग की है। नगर अध्यक्ष सुमित कुमार ने कहा कि आइसा परीक्षा और रिजल्ट में हो रही दिक्कतों को देखते हुए कुविवि की मानमानी के खिलाफ अभियान चलाएगा।

मांगों को लेकर 28 को धरना देंगे राज्य आंदोलनकारी

हल्द्वानी। राज्य निर्माण आंदोलनकारी मंच उत्तराखंड 10% क्षैतिज आरक्षण बिल को राज भवन से अविलंब मंजूरी देने, राज्य की अवधारणा एवं राज्य आंदोलनकारियों की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर 28 अगस्त को प्रदेश की सभी तहसील, जिला मुख्यालय में धरना देंगे। रविवार को संचालन समिति के सदस्य प्रभात ध्यानी ने शनिवार को हल्द्वानी सम्मेलन में लिए गए निर्णय की जानकारी दी।

हाईकोर्ट के आदेश पर भी पदोन्नति न करने पर भड़के जूनियर इंजीनियर

देहरादून। उत्तराखंड पावर जूनियर इंजीनियर एसोसिएशन ने हाईकोर्ट के आदेश पर भी अधिशासी अभियंता के खाली पदों पर पदोन्नति न किए जाने पर नाराजगी जताई है। जल्द प्रमोशन का लाभ न मिलने पर आंदोलन की चेतावनी दी। एसोसिएशन की केन्द्रीय कार्यकारिणी की बैठक केंद्रीय अध्यक्ष आनंद रावत ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी प्रमोशन में देरी समझ से परे है। यूपीसीएल मैनेजमेंट की ओर से की जा रही देरी को कड़े शब्दों में भर्त्सना की। मैनेजमेंट की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए। हाईकोर्ट के आदेश लागू न होने पर आंदोलन तय है। कहा कि सहायक अभियंता वरिष्ठता सूची मामले में हाईकोर्ट ने आठ सप्ताह के भीतर कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। मैनेजमेंट हाईकोर्ट के निर्णय को क्लेरिफिकेशन के नाम पर फिर से लटकाना चाहता है। जबकि मैनेजमेंट ने एसोसिएशन के साथ लिखित समझौता किया है कि आदेश आते ही उसे लागू किया जाएगा। महासचिव पवन रावत ने कहा कि जल्द मैनेजमेंट से वार्ता कर आर पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। सहायक अभियंताओं की वरिष्ठता में सभी विसंगतियों को सही किया जाए। जिन जूनियर इंजीनियरों की सहायक अभियंता के पद पर पदोन्नति के समय वरिष्ठता उनके बैच से भिन्न हो गयी थी, अब उसे ठीक किया जाए।

मैनेजमेंट जूनियर इंजीनियर संवर्ग के प्रति अपनी निष्पक्षता जाहिर करे। बैठक में यूपीजेईए सेवानिवृत्त प्रकोष्ठ के अध्यक्ष जीएन कोटियाल, आरके जैन, जेसी पंत, राहुल अग्रवाल, विकास शुक्ला, यशपाल सिंह बिष्ट, रविन्द्र सैनी, सुनील उनियाल, अतुल शर्मा, विकास कुमार, भूपेन्द्र फर्त्याल, मनोज कंडवाल, दीपक पाठक, बीएम भट्ट, नितिन तिवारी, अजय धीमान, पंकज गौतम, राकेश नेगी, राजीव खर्कवाल, सौरभ चमोली, जगपाल, शैलेन्द्र बिष्ट, बीके जोशी, नवनीत चौहान, संजय कुमार, विमल कुलियाल, अमित रौथैला, संतोष पांडे, आरपी नौटियाल, रेणु जोशी, प्रीती भटनागर, वीना, कुलदीप बिष्ट, केके त्यागी, डीएस गौड़, राकेश नेगी, बबलू सिंह, अशोक कुमार शर्मा, संजय कुमार आदि मौजूद रहे।

प्रमोशन कोटा बढ़ा कर किया जाए 58.33 प्रतिशत

एसोसिएशन ने पदोन्नति कोटा भी बढ़ा 58.33 प्रतिशत किया जाए। 30 सितंबर 2005 तक की विज्ञप्ति से सेवा में आए कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाए। उत्तराखंड शासन की तरह ग्रेच्युटी की सीमा 25 लाख की जाए।

भाजयुमो ने पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

देहरादून। भाजपा युवा मोर्चा महानगर ने रविवार को लैंसडाउन चौक पर पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। इस मौके पर विधायक खजान दास ने कहा कि जिस प्रकार का घिनौना अपराध बंगाल में हुआ है और जो अराजकता का माहौल बंगाल में लंबे समय से चल रहा है, उससे वहां की जनता सुरक्षित नहीं है, ममता बनर्जी को तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। युवा मोर्चा अध्यक्ष देवेंद्र बिष्ट ने कहा कि बंगाल में हुए निर्मम हत्याकांड को आत्महत्या का नाम दिया जा रहा है, ऐसी सरकार को युवा मोर्चा जड़ से उखाड़ फेंकने का काम करेगा। इस मौके पर प्रदेश कोषाध्यक्ष पुनीत मित्तल, महामंत्री तरुण जैन, उपाध्यक्ष पारस गोयल, विवेक वर्मा, शुभम भंडारी, रोहन, वैशाली बंसल, सुधांशु तिवारी, गगन सोनकर, अजय नेगी, सुधांशु तिवारी आदि मौजूद रहे।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एबीवीपी का प्रदर्शन

देहरादून। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आईएसबीटी में किशोरी से गैंगरेप, बंगाल और रुद्रपुर की घटनाओं के विरोध में जिलाधिकारी कार्यालय में प्रदर्शन किया। रविवार को अभावित कार्यकर्ता कचहरी पहुंचे और नारेबाजी की। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि कुछ दिनों से देश और प्रदेश में महिलाओं के साथ आपराधिक घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल, रूद्रपुर, देहरादून के रेस्टोरेन्ट और आईएसबीटी में किशोरी से दुष्कर्म समाज को झकझोर देने वाले मामले हैं। उन्होंने कहा कि समाज में सुरक्षित माहौल बनाना प्रशासन की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। कहा कि अपराधों के प्रति आम लोगों को भी सजग रहना होगा। मौके पर महानगर मंत्री यशवंत पंवार, छात्रा प्रमुख ईशा बदलवाल, सह छात्रा प्रमुख अक्षीमल, प्रमेश जोशी, पार्थ जुयाल, रोबिन, दिव्यांशु नेगी, सुमित कुमार, ऋषभ मल्होत्रा, देवेंद्र दानु, राहुल जुयाल, बलबीर कुंवर, अभिषेक आनंद, अंकित पयाल आदि मौजूद थे।

पुण्यतिथि पर उत्तराखंड के गांधी को किया याद

ऋषिकेश(आरएनएस)। तीर्थनगरी ऋषिकेश में रविवार को उत्तराखंड के गांधी कहे जाने वाले स्व. इंद्रमणि बडोनी की पुण्यतिथि मनाई गई। पुण्यतिथि पर क्षेत्रवासियों ने उन्हें याद कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। वक्ताओं ने लोगों से स्व. बड़ोनी के विचारों का अनुसरण करने का आह्वान भी किया। तुलसी विहार श्यामपुर में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने स्व. इंद्रमणि बड़ोनी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड को रत्नगर्भा भी कहा गया। यहां पर सदियों से ऐसे सन्त और महापुरुषों ने जन्म लिया जो सदैव मनसा, वाचा, कर्मणा से देश और समाज के लिए समर्पित रहे हैं। ऐसी ही एक महान विभूति उत्तराखण्ड राज्य प्राप्ति आंदोलन के महानायक इन्द्रमणि बड़ोनी थे। उन्होंने पृथक राज्य उत्तराखण्ड की स्थापना के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था। वह उत्तराखंड राज्य आंदोलन के पुरोधा थे, उन्होंने उत्तराखंड राज्य का विचार जनता को दिया और जन–आंदोलन की अग्रिम पंक्ति में रहकर सरकारी दमन का अहिंसक विरोध करते हुए वर्षों तक विकट संघर्षों का संचालन किया था। शासन और सत्ता के जुल्मों–सितम से टूटने के बजाय वह और ज्यादा ताकत के साथ उभरे, अलग पर्वतीय राज्य की उनकी चाहत और भी ज्यादा मुखर होती गई थी। मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने राज्य आंदोलनकारी इंदु थपलियाल, राजेश कंडवाल, सुरेंद्र धस्माना, दिनेश चमोला, जसपाल कठैत को सम्मानित किया। मौके पर मण्डल अध्यक्ष श्यामपुर दिनेश पयाल, महामंत्री चंद्रमोहन पोखरियाल, राजवीर रावत, महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष सोनी रावत, गौतम राणा, जसपाल चौहान, जितेंद्र पोखरियाल, मुन्ना रावत, बीना मौखरी आदि उपस्थित रहे।राज्य आंदोलनकारियों ने बडोनी को श्रद्धांजलि दीः नगर निगम परिसर स्थित इंद्रमणि बडोनी हॉल में राज्य आंदोलनकारियों ने कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि तथा उत्तराखंड के गांधी स्व. इंद्रमणि बडोनी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर डीएस गुसाईं, राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र पंत, बलवीर सिंह, गंभीर मेवाड़, विक्रम भंडारी, रूकम पोखरियाल, संजय शास्त्री, जेपी जोशी, राकेश मियां, शैलेंद्र बिष्ट, प्यारेलाल जुगलान, सत्य प्रकाश जखमोला, राजेंद्र पंत, अरविंद हटवाल, सुरेंद्र नेगी, बृजेश डोभाल, राजेंद्र कोठारी, जगदंबा भट्ट, प्रवीण कुमार, संजय कुमार, उषा रावत, रामेश्वरी चौहान, सुशीला पोखरियाल, जयंती नेगी, उर्मिला डबराल, जया डोभाल, लक्ष्मी बुडाकोटि, मुन्नी ध्यानी, गंगोत्री शाह, यशोदा नेगी, माहेश्वरी बिष्ट, सुशीला भंडारी, रविंद्र कौर, चंद्रा देवी, क्रांति ध्यानी, अंजू गैरोला, सुशीला शर्मा आदि उपस्थित रहे।

पुण्यतिथि पर उत्तराखंड के गांधी को किया नमन : डोईवाला। भाजपा कार्यकर्ताओं ने नुन्नावाला में नेताजी सुभाष चंद्र बोस और उत्तराखंड के गांधी स्व. इंद्रमणि बडोनी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। भाजपा के पूर्व जिला मंत्री मनीष नैथानी ने कहा कि नेताजी भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रिम तथा सबसे बड़े नेता थे। उत्तराखंड के गांधी इंद्रमणि बडोनी ने राज्य निर्माण की निर्णायक लड़ाई लड़ी। मौके पर ओबीसी मोर्चा जिला महामंत्री सुरेश सैनी, मंडल मीडिया प्रभारी भारत गुप्ता, रणवीर सिंह पवार, साहब सिंह बिष्ट, रमेश चौधरी, रामेश्वर चौधरी, शीर्षराम बेलवाल, प्रकाश चौधरी, हीरामणि, नत्थू राम, अजीत सिंह, जेपी कोठारी आदि उपस्थित रहे।

भराया गांव के हत्याकांड की निष्पक्ष जांच हो

विकासनगर। खत लखवाड़ के ग्रामीणों की बैठक रविवार को महासू देवता मंदिर धर्मशाला में हुई। बैठक में ग्रामीणों ने क्षेत्र में बढ़ रही आपराधिक घटनाओं पर चिंता जताते हुए पुलिस से कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे सदर स्याणा दिग्विजय सिंह ने कहा कि हाल ही में भराया गांव में हुए जघन्य हत्याकांड से पूरा क्षेत्र सकते हैं। भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं न हों, इसके लिए पुलिस प्रशासन को कानून व्यवस्था पुख्ता करनी होगी।

उन्होंने कहा कि हत्याकांड शामिल आरोपियों का सामाजिक बहिष्कार करने के साथ ही हत्यारोपियों का साथ देने वालों का भी सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। बैठक में ग्रामीणों ने आशंका जताई कि इस हत्या में कई लोग शामिल हो सकते हैं।

मूल निवासियों के हक हकूक की लड़ाई लड़ेगा उक्रांद : कुकरेती

विकासनगर। उत्तराखंड क्रांति दल के कार्यकर्ताओं ने रविवार को डाकपत्थर रोड स्थित पार्टी कार्यालय में पहाड़ के गांधी स्व. इंद्रमणि बडोनी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए नमन किया। वक्ताओं ने उत्तराखंड के वर्तमान हालातों पर चिंता जताई। उक्रांद के केंद्रीय सरक्षक सुरेंद्र कुकरेती ने कहा की स्व. इंद्रमणि बडोनी का योगदान राज्य आंदोलन और राज्य प्राप्ति में अतुलनीय था। लेकिन आज राज्य की जो स्थिति है उससे पहाड़ के गांधी समेत सभी शहीद आंदोलनकारियों की आत्मा दुखी होगी। उन्होंने कहा कि जिस परिकल्पना से इस राज्य का निर्माण हुआ आज वह कहीं दूर–दूर तक नहीं दिखाई देती है। मूल निवासी, पर्वतीय क्षेत्र आज हाशिए पर है, भ्रष्टाचारियों का बोलबाला है। अलग राज्य से जो लाभ उत्तराखंड वासियों को मिलना चाहिए था वह नहीं मिल पा रहा है। कहा उत्तराखंड क्रांति दल स्व. बडोनी की पुण्यतिथि पर एक नए आंदोलन की शपथ इस राज्य को बचाने के लिए लेता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि अगली लड़ाई राज्य की जल, जंगल, जमीन और मूल निवासियों के हक हकूक बचाने के लिए लड़ी जाएगी। इस दौरान जिला अध्यक्ष गणेश प्रसाद काला, नगर अध्यक्ष विकासनगर जयकृष्ण, जिला महामंत्री मायाराम ममगाईं, जिला प्रवक्ता नरेंद्र कुकरेती, भूपेंदर सिंह नेगी, मनोज कंडवाल, जितेंद्र पंवार, अतुल बैंजवाल, बीना पंवार, अमजद, चंदन सिंह सजवाण, सुनीता चमोली, गोदावरी भट्ट, शांति देवी, कमला घिल्डियाल, मनीष पाल, सुमित राणा, सविता जोशी, मदनलाल पाल, उषा जोशी, सरोज मालासी,आशा पंवार, लक्ष्मी पंवार, रीता शाह, मंजू भट्ट, शिव प्रकाश, प्रतिमा रावत, राधा उनियाल आदि मौजूद रहे।

भाभी की मदद से भाई के साले ने की चोरी

हल्द्वानी। वनभूलपुरा क्षेत्र के इंदिरानगर निवासी एक व्यक्ति ने अपने भाई के ससुर, उसके साले और भाभी समेत छह लोगों के खिलाफ लाखों की चोरी, घर में घुसकर मारपीट करने और धमकाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। रविवार को दर्ज कराए मुकदमे में वादी ने कहा है कि इनमें से एक आरोपी ने पहले उनका मोबाइल और घर में रखे 1.95 लाख रुपये नकद चोरी किए। इसके बाद उनके खाते से भी रकम निकाली। आरोप है कि रकम वापस करने के बहाने घर पहुंचकर महिलाओं, बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों से बुरी तरह से मारपीट की।इंदिरानगर स्थित वार्ड 14 निवासी आसिम वारसी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 14 अगस्त की रात उनके बड़े भाई नाजिम की पत्नी ताहिरा की मदद से उसके साले इंदिरानगर निवासी आकिब ने घर में घुसकर मोबाइल और एक लाख 95 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। 15 अगस्त को आरोपी आकिब ने उनके मोबाइल के जरिए बैंक खाते से 98 हजार 350 रुपये और निकाल लिए। शक होने पर पीड़ित ने आकिब के पिता मोहम्मद करीम से बातचीत की तो उन्होंने 16 अगस्त को मोबाइल और पूरी रकम वापस करने का वादा किया। आरोप है कि इसी बहाने मोहम्मद करीम अपने बेटे आकिब और शाकिब एवं अन्य साथियों सलीम, मोअज्जम और मुकर्रम के साथ उनके घर पहुंचे।

आरोप है कि इन लोगों ने घर में मौजूद महिलाओं एवं बच्चों से गाली–गलौज करते हुए बुरी तरह मारपीट शुरू कर दी। यहां तक कि आरोपियों ने धारदार हथियार से हमला कर परिवार के एक सदस्य को लहूलुहान भी कर दिया।

अखिल भारतीय कश्यप महासंघ का चुनाव नौ नवंबर को होगा

देहरादून। अखिल भारतीय कश्यप महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक रविवार को बल्लूपुर चौक के समीप स्थित राम विहार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राम सिंह कश्यप ने की।

बैठक में अखिल भारतीय कश्यप महासंघ के निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव को लेकर चर्चा हुई। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ने संस्था के आय व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। चुनाव के लिए पूणे से जज सीएल मेश्राम पुणे को मुख्य चुनाव अधिकारी, उनका सहयोग करने के लिए कृत राम वर्मा, विनोद कश्यप, अवनीश कश्यप, सुभाष कश्यप को नामित किया गया। महासंघ के चुनाव नौ और दस नवंबर को होंगे। इस दौरान राजाराम कश्यप, कांतिलाल लकारिया, राजाराम गोड़, मीरा रायकवार, राजवीर कश्यप, लीलापत, निवर्तमान पार्षद नगर निगम देहरादून सतीश कश्यप,नीरज कश्यप आदि मौजूद रहे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ निकाली आक्रोश रैली

विकासनगर। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ हिंदू एकता मंच ने रविवार को सेलाकुई मुख्य बाजार में आक्रोश रैली निकाली। रैली में शामिल विभिन्न संगठनों के लोगों ने भारत सरकार से बांग्लादेश के हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। शिव मंदिर परिसर से शुरू हुई आक्रोश रैली मुख्य बाजार होते हुए पुराना पोस्ट ऑफिस, सत्येंद्र चौक पहुंची। चौक पर रैली ने नुक्कड़ सभा का आकार ले लिया।

रैली का नेतृत्व कर रहे पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष निरंजन सिंह चौहान ने कहा कि बांग्लादेश में भी तालिबानी सरकार की तरह कत्लेआम मचा हुआ है। खासकर हिंदू समुदाय और उनके धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है। लाखों हिंदू वहां से बाहर निकलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि 1971 में भारत ने ही बांग्लादेश को पाकिस्तानी फौज के अत्याचारों से मुक्ति दिलाकर देश को आजाद कराया था। बांग्लादेश की आजादी की जंग में वहां के हिंदुओ के साथ भारतीयों ने भी अपनी शहादत दी। बावजूद हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। हिंदुओं की संपत्तियों को जलाकर राख किया जा रहा है। दुर्गा वाहिनी की जेसिका अग्रवाल ने कहा कि हिंदुओं पर अत्याचार किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने भारत से सरकार से मांग करते हुए कहा कि बांग्लादेश के हालात स्थिर होने तक वहां रहने वाले हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने जरूरी हैं। इसके लिए भारत सरकार को अपनी ओर से पहल करनी होगी। रैली में विहिप, बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी, गढ़वाल सभा, पूर्व सैनिक संगठन, व्यापार मंडल के साथ ही विभिन्न मंदिर समितियों से जुड़े लोगों ने शिरकत की।

रक्षाबंधन को लेकर खरीदारी को ऋषिनगरी में उमड़ी भीड़

ऋषिकेश। रक्षाबंधन पर्व को लेकर ऋषिकेश में रविवार को खरीदारी के लिए स्थानीय व आसपास के लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। पर्व के लिए लोगों ने राखी, उपहार और मिठाईयों की खरीदारी की, जिससे बाजार में खरीदारों से पूरी तरह पैक रहा। शाम को भीड़ अत्याधिक होने से यातायात व्यवस्था भी चरमरा गई। ट्रैफिक को सुचारु रखने में पुलिस को जद्दोजहद करनी पड़ी। शहर में खरीदारी के लिए सुबह से लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हुई। हरिद्वार रोड, रेलवे रोड, घाट रोड, मुखर्जी मार्ग और तिलक रोड दुकानदारों ने खरीदारी के लिए बाहर राखियों के स्टॉल लगाए, जिसमें आकर्षक राखियों से बाजार पूरी तरह से सजा–धजा दिखा। मिष्ठान प्रतिष्ठानों पर खरीदारों के लिए तरह–तरह की मिठाईयां दिखी। दोपहर में खरीदारी की भीड़ में हल्की कमी नजर आई, लेकिन दिन ढलने के साथ ही बाजार में रौनक भी तेजी के साथ बढ़ गई। शाम को स्थिति यह रही घाट रोड और रेलवे रोड पर लोगों को वाहन तो दूर पैदल चलने के लिए भी ठीक से जगह नहीं मिली। हरिद्वार रोड पर वाहनों का दबाव बढ़ते ही घाट चौक पर जाम के हालात बने। यहां तैनात पुलिस और होमगार्ड जवानों को चौराहे पर लोगों व वाहनों का आवागमन सुचारु रखने में मशक्कत करनी पड़ी। सीओ संदीप नेगी ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व को लेकर कोतवाली पुलिस को यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को चाक–चौबंद रखने के निर्देश दिए थे। बावजूद, कहीं कोई कमी है, तो इसमें तत्काल सुधार को सख्त निर्देश जारी किए जा रहे हैं।

युवती पर तमंचा तानने वाला युवक गिरफ्तार

विकासनगर। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एक युवती को तमंचा दिखाकर उसके साथ जोर जबरदस्ती करने के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस को दी तहरीर में युवती ने बताया कि वो अपने परिजनों के साथ ही कालसी से विकासनगर की ओर आ रही थी। जीवनगढ़ में युवती के वाहन से उतरते ही एक युवक उसका पीछा करने लगा। युवती के शोर मचाने पर उसने तमंचा तान दिया। आरोप है कि तमंचे के बल पर युवक ने युवती को दोस्ती करने और मना करने पर जान से मारने की धमकी दी। युवती के शोर मचाने पर उसके साथ आए उसके दो परिजन मौके पर पहुंचे, जिन्होंने युवती को बड़ी मुश्किल से तमंचाधारी युवक के चंगुल से छुड़ाया।

अशासकीय विद्यालयों में तदर्थ शिक्षकों को नियमित करे सरकार

ऋषिकेश। विभिन्न विभागों में 10 साल की सेवा पूरी करने वाले संविदा, दैनिक वेतन, तदर्थ कर्मचारियों को नियमित किए जाने के निर्णय पर उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ ने खुशी जताई है। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि इस निर्णय को अशासकीय विद्यालयों में भी सरकार लागू करे। उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला मीडिया प्रभारी अश्वनी गुप्ता ने कहा कि उत्तराखंड सरकार ने अस्थाई कर्मचारियों की पीड़ा को समझते हुए नियमितीकरण का निर्णय लिया है। यह निर्णय प्रशंसनीय है। लेकिन इसमें अशासकीय विद्यालयों के तदर्थ शिक्षकों को भी शामिल किया जाना चाहिए। कहा कि अशासकीय विद्यालयों में वर्षों से शिक्षण व्यवस्था को संभाले हुए 426 शिक्षक 10 वर्षों से ज्यादा समय से अपने नियमितीकरण की बाट जोह रहे हैं, सरकार द्वारा इन शिक्षकों को 2011 में मानदेय की श्रेणी में लाया गया था, ऐसे में नियमितीकरण नियमावली 2013 के तहत यह सभी शिक्षक 10 वर्ष से ज्यादा का समय पूरा कर चुके हैं। अन्य विभागों के दैनिक, संविदा और तदर्थ कर्मचारियों के साथ अशासकीय विद्यालयों के शिक्षकों को भी नियमितीकरण किया जाना चाहिए। मौके पर ओमप्रकाश काला, अनीता पाल, रत्नेश कुमार, विवेक बधानी कमलेश गौड़, मनमोहन मठपाल आदि उपस्थित रहे।

भाजयुमो का पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

ऋषिकेश। कोलकाता में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी के विरोध में रविवार को भाजपा युवा मोर्चा ने पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ ऋषिकेश में प्रदर्शन किया। नाराज कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए घटना की निंदा की।

साथ ही पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। ऋषिकेश स्थित कोयल घाटी तिराहे पर भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल सरकार का पुतला भी दहन किया। भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र सिंह राणा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं पर लगातार हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं, जो निंदनीय है। भाजयुमो मंडल अध्यक्ष जगावर सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में महिला डॉक्टर का बलात्कार कर उसकी निर्मम हत्या कर दी गई, जो बहुत निंदनीय है। बंगाल में महिलाओं के साथ हिंसा की घटना लगातार सामने आ रही हैं। केंद्र सरकार को पश्चिम बंगाल सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए। पुतला दहन करने वालों में जिला उपाध्यक्ष मनोज ध्यानी, प्रतीक कालिया, भाजपा मंडल महामंत्री नितिन सक्सेना, दिनेश सती, अभिनव पाल, मोहित, बिट्टू, अंकुश सिंह, विशु पाल, सुभम कुमार, साहिल आर्यन, कृष पाल, अनुज पाल, जितेंद्र पाल पाठी, दिव्यांश बिरला, प्रिंस पुहाल, अजय धीमान, चेतन कपरुवान, सेंकी सक्सेना, मंकू, आयुष शर्मा, पियूष पाल, युवराज सिंह, गौरव कुमार आदि उपस्थित रहे।

जौनसार, पछुवादून के नौ मोटर मार्गों पर यातायात ठप

विकासनगर। जौनसार बावर क्षेत्र में शनिवार को बंद हुए कई मार्गों पर रविवार को यातायात बाहाल हो गया, लेकिन एक राष्ट्रीय राजमार्ग समेत चार नए मार्गों पर यातायात ठप हो गया। रविवार को जौनसार के आठ और पछुवादून के एक मार्ग समेत कुल नौ मोटर मार्ग यातायात के लिए बंद रहे। बीते डेढ़ माह से रोजाना हो रही बारिश के कारण क्षेत्र के दर्जनों मोटर मार्ग मलबा आने से बाधित हो रहे हैं। जिसके चलते संबंधित क्षेत्र के ग्रामीणों को आवाजाही में तो परेशानी हो रही है। साथ ही क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों की संख्या में भी भारी गिरावट आई है। स्थानीय निवासी चमन चौहान, अखिलेश राणा, मेहर सिंह, संजय जोशी, मुन्नाराम, भगत राम आदि का कहना है कि सड़कें बंद होने से जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। शनिवार को बंद हुआ दिल्ली–यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग शाम को खुलने के बाद रविवार सुबह दस बजे कालसी व जुड्डो के बीच मलबा आने से दोबारा बंद हो गया। चकराता लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत आने वाले दारागाड कथीयान त्यूणी मोटर मार्ग, पुरोड़ी रावना, डामटा मोटर मार्ग, नगऊ मोटर मार्ग, लोखंडी लेवरा मार्ग, प्रांतीय खंड देहरादून के कोटड़ा कल्याणपुर बड़वा लांघा मार्ग यातायात के लिये बाधित रहे। लोक निर्माण विभाग सहिया के ड्यूडीलानी से ढलीन सकरोल मोटर मार्ग पिछले 20 दिन से और लोनिवि चकराता के रावना पुरोड़ी मोटर मार्ग नौ जुलाई, टुंगरा संपर्क मार्ग 20 जून से बंद है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com